

संक्षिप्त समाचार

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हरलीन देओल ने हॉकी खिलाड़ियों को दिया सफलता का मंत्र, कहा मेहनत करें और खुद पर भरोसा रखें

रायपुर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हरलीन देओल ने रायपुर स्थित खेल एवं युवा कल्याण विभाग की आवासीय हॉकी अकादमी के खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ अपने खेल जीवन के अनुभव साझा किए और देश के लिए खेलने का सपना देखने का संदेश दिया।
उप मुख्यमंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव की पहल तथा छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ (छस्स्र) के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल करने वाले खिलाड़ियों के अनुभवों से परिचित कराना था। हरलीन देओल से मुलाकात के दौरान अकादमी के खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिला। मेहनत और अनुशासन को बताया सफलता की कुंजी
हरलीन देओल ने खिलाड़ियों से कहा कि वे अकादमी में उपलब्ध खेल सुविधाओं, नियमित प्रशिक्षण और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का पूरा लाभ उठाएं। उन्होंने बड़े लक्ष्य निर्धारित करने, लगातार अभ्यास करने और अपनी कमजोरियों को पहचानकर उनमें सुधार करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, आप मेहनत कीजिए, अपने लक्ष्य के लिए पूरी लगन से प्रयास कीजिए। भगवान भी आपकी मदद करेंगे। अपने ऊपर विश्वास रखिए और देश के लिए खेलने का सपना जरूर देखिए।
उन्होंने खिलाड़ियों को असफलताओं से सीखने, धैर्य बनाए रखने और हर दिन अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उनके अनुसार, प्रतिभा के साथ कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास सफलता के लिए जरूरी हैं।
जनजातीय क्षेत्रों के खिलाड़ियों का भी बढ़ाया उत्साह
रायपुर की आवासीय हॉकी अकादमी में प्रदेश के दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों से आए खिलाड़ी भी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। घर-परिवार से दूर रहकर खेल में अपना भविष्य बनाने की दिशा में प्रयासरत इन खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर से संवाद करना प्रेरणादायक रहा।
हरलीन देओल ने खिलाड़ियों को संदेश दिया कि वे अपनी परिस्थितियों से निराश होने के बजाय मेहनत और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें।

ट्रेन हादसे में गंवाया हाथ, ‘निदान-03’ शिविर में दो घंटे में मिला कृत्रिम हाथ; तेजराम के जीवन में लौटी मुस्कान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में संचालित सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित ‘निदान-03’ विशेष शिविर धमरी जिले के ग्राम गोजी निवासी तेजराम साहू के जीवन में नई उम्मीद लेकर आया है। महज 18 वर्ष की उम्र में ट्रेन दुर्घटना में अपना दायां हाथ गंवा चुके तेजराम को शिविर में डेढ़ से दो घंटे के भीतर कृत्रिम हाथ बनाकर उपलब्ध कराया गया। इससे उनके दैनिक कार्यों को आसान बनाने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने की उम्मीद जगी है।
तेजराम साहू के जीवन में उस समय बड़ा बदलाव आया, जब एक भीषण ट्रेन दुर्घटना में उनका दायां हाथ बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गंभीर चोटों के कारण डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें हाथ गंवाना पड़ा। कम उम्र में इस हादसे ने उनके सामने कई चुनौतियां खड़ी कर दीं। रोजमर्रा के कामों के साथ आजीविका से जुड़ी गतिविधियों में भी उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और संघर्ष करते हुए जीवन को आगे बढ़ाते रहे।
तेजराम की जरूरत को देखते हुए जिला प्रशासन, समाज कल्याण विभाग और भगवान महावीर दिव्यांग सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ‘निदान-03’ शिविर में उन्हें सहायता मिली। शिविर में भगवान महावीर सेवा संस्थान के इंजीनियरों ने उनके हाथ का माप लेकर कृत्रिम हाथ तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की। महज डेढ़ से दो घंटे में कृत्रिम हाथ तैयार कर उन्हें सौंप दिया गया।
कृत्रिम हाथ मिलने पर तेजराम भावुक हो गए। उन्होंने जिला प्रशासन और संबंधित समिति के प्रति आभार जताते हुए कहा कि इससे उनके जीवन की राह आसान होगी और वे अपने दैनिक कार्यों को अधिक सहजता से कर सकेंगे।

नोनी सुरक्षा योजना से आंचल के भविष्य को मिला संबल, एक लाख रुपये का बॉन्ड प्राप्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की नोनी सुरक्षा योजना से सरगुजा जिले की आंचल राजवाड़े को आर्थिक सुरक्षा का संबल मिला है। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत कृष्णापुर निवासी आंचल के नाम पर भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के माध्यम से एक लाख रुपये का बॉन्ड प्राप्त हुआ है। इससे उनकी मां मानती राजवाड़े को बेटी की उच्च शिक्षा और भविष्य की जरूरतों के लिए आर्थिक सहायता मिलने का भरोसा मिला है।
सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत सामने आई इस कहानी में मानती राजवाड़े बताती हैं कि वे अपनी बेटी को अच्छी शिक्षा दिलाकर आत्मनिर्भर बनाना चाहती हैं। सीमित आर्थिक संसाधनों के बीच बेटी की पढ़ाई और भविष्य की जरूरतों को लेकर उन्हें चिंता रहती थी। योजना के तहत बॉन्ड मिलने से उन्हें राहत मिली है। योजना के निर्धारित प्रावधानों के अनुसार, पात्र बालिका को 18 वर्ष की आयु पूरी होने पर निर्धारित राशि का लाभ मिलेगा। इस राशि का उपयोग उच्च शिक्षा और भविष्य की अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने में किया जा सकेगा।
मानती राजवाड़े को उम्मीद है कि यह आर्थिक सहायता बेटी के सपनों को पूरा करने में मददगार साबित होगी। मानती राजवाड़े ने योजना का लाभ मिलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बेटी के नाम पर एक लाख रुपये का बॉन्ड मिलने से उसके भविष्य को लेकर भरोसा बढ़ा है। नोनी सुरक्षा योजना का उद्देश्य पात्र बालिकाओं को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर उनकी शिक्षा और बेहतर भविष्य की राह को मजबूत करना है।

31 अक्टूबर के बाद खुद के वाहन से मंत्रालय आएंगे 3500 कर्मचारी

रायपुर। नया रायपुर स्थित मंत्रालय और सरकारी कार्यालयों में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए सिटी बस से आवागमन की सुविधा जल्द खत्म हो जाएगी। रायपुर नगर निगम ट्रांसपोर्ट लिमिटेड और नया रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के बीच बस संचालन के लिए हुआ वैकल्पिक समझौता 31 अक्टूबर को समाप्त हो रहा है। इसके बाद कर्मचारियों के आवागमन की सुविधा बनाए रखने के लिए नया रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के साथ एकल फेरे में बस संचालन को लेकर समझौता किया गया था। इसकी अवधि भी अब 31 अक्टूबर 2026 को पूरी हो रही है।

मुख्यमंत्री साय ने की मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन की उच्चस्तरीय समीक्षा

खेल प्रतिभाओं को गांव के मैदान से अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य

■ स्कूल स्तर से बच्चों को खेलों से जोड़ने के निर्देश, खेलों को करियर के रूप में अपनाने के लिए तैयार होगा अनुकूल वातावरण

■ महिला एवं दिव्यांग खिलाड़ियों को मिलेंगे विशेष अवसर, टैलेंट हंट और मुख्यमंत्री ट्रॉफी से सामने आएंगी नई प्रतिभाएं

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। गांवों, जनजातीय क्षेत्रों और दूरस्थ अंचलों में ऐसी अनेक प्रतिभाएं हैं, जिन्हें सही समय पर पहचान, बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और

प्रतिस्पर्धा के पर्याप्त अवसर मिलें तो वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ा सकती हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य ऐसी प्रतिभाओं के लिए गांव के खेल मैदान से लेकर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं तक आगे बढ़ने का सुनियोजित मार्ग तैयार करना है। मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन इसी सोच को धरातल पर उतारने की महत्वपूर्ण पहल है।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ज्ञानेश्वरी यादव और संजू देवी जैसी प्रदेश की प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धियों से यह साबित किया है कि छत्तीसगढ़ के युवाओं में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल मंचों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की भरपूर क्षमता है। आवश्यकता इस बात की है कि प्रतिभाओं की पहचान कम उम्र में हो और उन्हें लगातार गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, विशेषज्ञ



मार्गदर्शन तथा उच्चस्तरीय प्रतियोगिताओं का अनुभव मिले। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मिशन की कार्ययोजना ऐसी हो, जिसमें खिलाड़ी की प्रतिभा की पहचान से लेकर उसके उच्च प्रदर्शन वाले खिलाड़ी बनने तक की पूरी यात्रा के लिए स्पष्ट व्यवस्था हो। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खेल प्रतिभाओं की तलाश केवल बड़े शहरों और स्थापित खेल अकादमियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। छत्तीसगढ़ के गांवों, जनजातीय

केवल संसाधनों अथवा अवसर की कमी के कारण पीछे नहीं रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बच्चों को स्कूल स्तर से खेल गतिविधियों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि पहले गांवों में बच्चों का खेल के मैदानों से स्वाभाविक जुड़ाव होता था, लेकिन बदलती जीवनशैली के कारण यह जुड़ाव कम हुआ है। इसे फिर मजबूत करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्कूलों में व्यायाम शिक्षकों के माध्यम से नियमित खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खेल बच्चों को शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाने के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना भी विकसित करते हैं। स्कूल स्तर पर प्रतिभा की पहचान होने से योग्य बच्चों को समय रहते विशेषज्ञ प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा सकेगा और वे भविष्य में खेलों को एक बेहतर करियर के रूप में भी अपना सकेंगे।

बहनों के नाम काटकर झूठे आंकड़े पेश कर रही है सरकार-चंद्राकर...

रायपुर/ संवाददाता

पूर्व संसदीय सचिव एवं महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने महतारी वंदन योजना को लेकर साय सरकार की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यह योजना अब महिलाओं को राहत देने की बजाय उन्हें परेशान करने का जरिया बन गई है। महासमुंद सहित प्रदेश के हर जिले में महिलाओं के नाम काटे जा रहे हैं और नए आवेदन तक नहीं लिए जा रहे हैं। श्री चंद्राकर ने कहा कि सरकार दावा करती है कि 69 लाख महिलाओं को योजना का लाभ दिया जा रहा है, लेकिन पौने तीन साल के भीतर ही लाखों महिलाओं के नाम काटे जा चुके हैं। एक तरफनए आवेदनों के लिए पिछले ढाई साल से पोर्टल बंद रखा



गया है तो दूसरी तरफपहले से जुड़ी हुई महिलाओं के नाम सत्यापन के नाम पर काटे जा रहे हैं। ऐसे में सरकार का यह दावा अपने आप झूठा साबित हो रहा है कि 69 लाख महिलाओं को लाभ मिल रहा है। जब हजारों नाम हर महीने काटे जा रहे हैं और एक भी नया नाम नहीं जोड़ा जा रहा तो यह आंकड़ा कहां टिकता है। उन्होंने कहा कि हर महीने 700 करोड़ से अधिक खर्च का रोना रोककर सरकार बहाने बना

सेवा की कहानी छोटी दुकान से थोक व्यापार तक प्रिया बनीं आर्थिक आत्मनिर्भरता की मिसाल

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं आर्थिक आत्मनिर्भरता की नई कहानियां लिख रही हैं। इसी का प्रेरणादायक उदाहरण है कोरिया जिले के ग्राम छिंदिया की श्रीमती प्रिया जायसवाल, जिन्होंने एक छोटी सी किराना दुकान से शुरूआत कर आज स्वयं को सफल थोक किराना व्यवसायी के रूप में स्थापित किया है। प्रिया जायसवाल पहले अपने परिवार के साथ सीमित स्तर पर किराना दुकान का संचालन करती थीं। बिहान से जुड़कर अपने व्यवसाय का विस्तार करते हुए थोक किराना व्यवसायी बन गई हैं।



प्रिया की मेहनत को मिली बिहान की आर्थिक मदद से प्रिया एक सफल महिला उद्यमी बनकर अब अन्य के लिए प्रेरणादायक बन गई हैं। प्रिया के परिवार के पास छोटी दुकान और पर्याप्त पूंजी का अभाव उनके व्यवसाय का विस्तार के आड़े आ रहा था। कम जगह में छोटी दुकान का संचालन हो रहा था लेकिन मनमाफ़िक लाभ नहीं हो पा

रहा था। परिवार की आर्थिक स्थिति को और बेहतर बनाने की इच्छा के साथ उन्होंने अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। प्रिया के जीवन में बदलाव की शुरुआत राधिका महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद हुई। बिहान योजना अंतर्गत समूह के माध्यम से उन्होंने पहले पच्चीस हजार और फिर बाद में स्वयं की बचत से पचास हजार रूपए मिलाकर अपनी प्रारंभिक पूंजी तैयार की। इस पूंजी अपने किराना व्यवसाय के विस्तार में लगाई। इस पूंजी के माध्यम से उन्होंने दुकान में सामग्री की उपलब्धता बढ़ाई और धीरे-धीरे खुदरा किराना व्यवसाय को थोक व्यापार के रूप में विकसित किया।

उप मुख्यमंत्री ने बोड़ला में 60 लाख रुपए के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

प्रशासनिक सुविधाओं और उच्च शिक्षा के विस्तार को मिलेगी मजबूती....

■ उप मुख्यमंत्री ने 40 लाख रुपए के विकास कार्यों की घोषणा की, कॉलेज में स्मार्ट बोर्ड, इंटरनेट और एआई सुविधाओं के विस्तार की पहल

■ छात्रावासों और महाविद्यालयों में भी डिजिटल सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा

रायपुर/ संवाददाता

कबीरधाम जिले के बोड़ला में प्रशासनिक सुविधाओं के विस्तार और उच्च शिक्षा के लिए अधोसंरचना विकास को गति देते हुए उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज 60 लाख रुपए के दो विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इसके तहत



विद्यार्थी तकनीक के स्वामी बनें, तकनीक उनका स्वामी न बने। चौटजीपीटी, जेमिनाई, गोक और परप्लेक्सिटी जैसे एआई टूल्स का उपयोग पढ़ाई और रचनात्मक कार्यों को बेहतर बनाने में किया जा सकता है। साथ ही विद्यार्थियों को अपने संस्कारों और मूल्यों को बनाए रखना चाहिए। उन्होंने बताया कि शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए विधानसभा क्षेत्र के 85 स्कूलों में स्मार्ट बोर्ड लगाने की योजना

पर काम किया जा रहा है। इनमें 50 स्थानों पर स्मार्ट बोर्ड लगाए जा चुके हैं तथा शेष 35 स्थानों पर भी लगाए जाएंगे। छात्रावासों और महाविद्यालयों में भी डिजिटल सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से विज्ञान, गणित, भौतिकी और रसायन विज्ञान जैसे विषयों की जटिल अवधारणाओं को वीडियो और डिजिटल सामग्री से सरलता से समझाया जा सकेगा। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि विद्यार्थियों की



उच्च शिक्षा के लिए 45 हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिली है। इससे उनकी पढ़ाई जारी रखने में परिवार को मदद मिली और नर्स बनने के उनके सपने को नई दिशा मिली। शिवानी, श्री टंकेश्वर साहू और श्रीमती गोमती साहू की बेटी हैं। उन्होंने भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में करियर बनाने के उद्देश्य से बीएससी नर्सिंग पढ़ाई चुनी है। वर्तमान में वे नर्सिंग

नौकरी की तलाश के बजाय शुरू किया फर्नीचर उद्योग....

■ लक्ष्मीनारायण बने आत्मनिर्भरता की मिसाल प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम से मिला संबल

रायपुर/ संवाददाता

नौकरी की तलाश करने के बजाय खुद का कारोबार शुरू करने का संकल्प सकी जिले के ग्राम सकरेलीकला निवासी 29 वर्षीय लक्ष्मीनारायण साहू के लिए 9 लाख 50 हजार रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। इसके साथ शासन से 3 लाख 50 हजार रुपये का अनुदान भी मिला। इस वित्तीय सहायता से वे अपना फर्नीचर निर्माण उद्योग स्थापित कर सके।

की शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। वर्ष 2025-26 में योजना के तहत उन्हें 45 हजार रुपये की सहायता सीधे बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से दी गई। इस राशि से पढ़ाई से जुड़े खर्चों में परिवार को आर्थिक संबल मिला। शिवानी का कहना है कि शासन से मिली सहायता ने उन्हें बिना आर्थिक चिंता के पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया है। वे नर्सिंग की पढ़ाई पूरी कर कुशल नर्स बनना चाहती हैं और स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से जरूरतमंद लोगों की सेवा करना चाहती हैं। शिवानी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार जताया। छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाएं श्रमिक परिवारों के बच्चों को शिक्षा और बेहतर भविष्य की राह पर आगे बढ़ने में मददगार बन रही हैं।

माध्यम से परिवार को आर्थिक संबल दे रहे हैं। उनकी यह पहल क्षेत्र के युवाओं के लिए स्वरोजगार की प्रेरणा बन रही है। खातक तक शिक्षा प्राप्त लक्ष्मीनारायण, श्री रूपलाल साहू के पुत्र हैं और अन्य पिछड़ा वर्ग से आते हैं। स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के लिए उन्हें आर्थिक संसाधनों की जरूरत थी। ऐसे में उद्योग विभाग के माध्यम से संचालित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम ने उनके सपने को साकार करने में मदद की। योजना के तहत उनके व्यवसाय के लिए 9 लाख 50 हजार रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। इसके साथ शासन से 3 लाख 50 हजार रुपये का अनुदान भी मिला। इस वित्तीय सहायता से वे अपना फर्नीचर निर्माण उद्योग स्थापित कर सके।

कारंडसिंग और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए ऑनलाइन कोचिंग की सुविधा विकसित करने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत एनडीए, सीजीपीएससी, यूपीएससी, कर्मचारी चयन आयोग और नीट जैसी परीक्षाओं की तैयारी के लिए ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को उनके लक्ष्य के अनुरूप मार्गदर्शन मिल सके। उन्होंने विद्यार्थियों से नई तकनीक सीखने और उसका विवेकपूर्ण उपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, नवाचार और सकरात्मक सोच के साथ निरंतर प्रयास एवं अभ्यास से सफलता प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री बालका रामकिंकर वर्मा, नगर पंचायत बोड़ला अध्यक्ष श्री विजय पाटिल, श्री बरसाती लाल वर्मा, श्री छोट्टराम चंद्रवंशी, श्री मोहन धुर्वे, जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती ललिता रूपसिंग धुर्वे, श्री कांशीराम उईके, सरपंच श्रीमती रेशमा बाई सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

संपादकीय

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव आयोग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उसकी जिम्मेदारियों का मूल्यांकन मतदाता सूची तैयार करने से लेकर निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से मतदान सुनिश्चित कराने तक से किया जाता है। इसलिए लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता को बनाए रखना बेहद जरूरी है।मगर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की प्रक्रिया को लेकर शुरू से ही

जिस तरह के सवाल उठ रहे हैं, उससे राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर गंभीर चिंताएं उभरी हैं। खासकर विभिन्न राज्यों में लाखों की संख्या में नागरिकों को मतदाता सूची से बाहर कर देने से शासन के चयन में उनकी भागीदारी खत्म हो जाने के साथ-साथ उनके सामने कई तरह की चुनौतियां पैदा हो गई हैं।सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां ने भी बीते रविवार को हैदराबाद में एक कार्यक्रम में इस चिंता को रेखांकित करते हुए

कहा कि नागरिकों को उनके मताधिकार से वंचित करने वाली कोई भी प्रक्रिया संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ है और उसे किसी भी तरह की दलीलों के जरिए उचित नहीं ठहराया जा सकता।एसआइआर प्रक्रिया पर उठ रहे सवालों की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हाल में देश भर में करीब तेरह करोड़ लोगों को मतदाता सूची से बाहर कर दिए जाने की खबरें आई हैं। इतने बड़े पैमाने पर अगर देश

के नागरिक अपने मताधिकार से वंचित हो जाएं, तो क्या इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाता सूची की शुचित्ता के दृष्टिगत शुभ संकेत के तौर पर देखा जाएगा?किसी नागरिक का मतदाता बनना और उसके मतदान करने का अधिकार स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की आधारशिला होता है। केवल तकनीकी पहलुओं के आधार पर उसकी पहचान से मताधिकार को अलग कर देना क्या लोकतंत्र में उसकी सबसे महत्वपूर्ण भागीदारी को खत्म कर देना नहीं

है?न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां ने भी अपनी टिप्पणी में कहा है कि देश का संविधान नागरिकों को दो वर्गों में नहीं बांटता, जिनमें से एक वर्ग मताधिकार प्राप्त हो और दूसरा मताधिकार से वंचित। यदि किसी प्रक्रिया के परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर लोग अपने ही देश में दोगम दर्जे के नागरिक बन जाएं, तो उसमें सुधार की राह निकालना अत्यंत आवश्यक हो जाता है।दूसरी ओर, एसआइआर के तहत फार्म-6 को लेकर सर्वोच्च न्यायालय

की ओर से सोमवार को स्थिति स्पष्ट किए जाने से चुनाव आयोग के उस दावे को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं, जिसमें कहा गया था कि शीघ्र अदालत ने इस फार्म की घोषणा को खरी ठहराया है। जबकि न्यायालय ने साफतौर पर कहा कि उसने इस फार्म में किसी भी तरह के बदलाव को मंजूरी नहीं दी है।इससे चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को लेकर आम नागरिकों के बीच भरोसे का संकट और गहरा हो गया है।

भारत में आर्थिक विकास की गति तेज रहने के बावजूद क्यों गिर रहा है शेयर बाजार

(प्रह्लाद सक्सेना)

उत्क वर्णित युद्धों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गए हैं, एक वर्ष पूर्व यह 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थे, अर्थात् इस एक वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है।

हाल ही के समय में भारत के शेयर बाजार में लगातार तेज गिरावट दर्ज हुई है, इससे देश में इस तरह का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका अत्यधिक कष्टकारी असर पड़ने वाला है। यह आंकलन किसी भी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि शेयर बाजार में गिरावट विदेशी संस्थागत निवेशकों के मन में बैठ रहे डर के आधार पर देखी जा रही है, जबकि भारतीय संस्थागत निवेशक तो लगातार अपना निवेश भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा रहे हैं एवं म्यूचुअल फंड्स द्वारा प्रति माह 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का लगातार निवेश शेयर बाजार हो रहा है। यह सही है कि भारतीय शेयर बाजार का सेसेक्स 1 अक्टूबर 2025 के 80,983 बिंदुओं के स्तर से 1 अक्टोबर 2026 को 71,910 बिंदुओं के स्तर पर नीचे आ गया है। इसी प्रकार, निफ्टी इंडेक्स भी 1 अक्टूबर 2025 के 24,836 बिंदुओं के स्तर से नीचे गिरकर 1 अक्टूबर 2026 को 22,442 बिंदुओं के स्तर पर आ गया है। पिछले एक वर्ष की अवधि में 10 से 11 प्रतिशत के बीच की गिरावट दर्ज हुई है। जबकि, इस बीच भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास दर लगातार उच्च स्तर की बनी हुई है। फिर, ऐसे क्या कारण हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था का चमकता चेहरा होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार लगातार गिरावट दर्ज कर रहा है।

दरअसल किसी भी देश का शेयर बाजार, स्टॉक एक्सचेंज पर दर्ज कम्पनियों की आगे आने वाले वर्षों में होने वाली अनुमानित आय के आधार पर, घटना अथवा बढ़ता रहता है। दूसरे, आंकलन जब समस्त देश एक तरह से आपस में जुड़े से गए हैं और हम एक वैश्विक गांव में निवास कर रहे हैं तब एक देश में होने वाली घटनाओं का प्रभाव दूसरे देश के शेयर बाजार पर भी पड़ता हुआ दिखाई देता है। जैसे, रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमामस युद्ध, अमेरिका-ईरान युद्ध, सऊदी अरब-हथी युद्ध एवं खाड़ी के देशों का आपसी युद्, आदि कुछ ऐसे उदाहरण हैं, जिनके चलते भारतीय शेयर बाजार भी सहमा हुआ दिखाई दे रहा है, हालांकि भारत किसी भी प्रकार से, अप्रत्यक्ष अथवा प्रत्यक्ष रूप से, इन युद्धों से नहीं जुड़ा है। तीसरे, विदेशी निवेशक भारी मात्रा में कुछ देशों के शेयर बाजार में अपनी पूंजी का निवेश करते हैं, क्योंकि उन्हें इन देशों में किए गए निवेश से अच्छे रिटर्न की सम्भावना दिखाई देती है। परंतु, जब इन विदेशी निवेशकों द्वारा अपना निवेश शेयर बाजार से निकाला जाता है तब उस देश का शेयर बाजार तेजी से गिरने लगता है।

उत्क वर्णित युद्धों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गए हैं, एक वर्ष पूर्व यह 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थे, अर्थात् इस एक वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। भारत कच्चे तेल की कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है, अतः भारत के उत्क युद्धों से किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े होने के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था पर कुछ विपरीत प्रभाव पड़ सकता है, ऐसा माहौल बनाए जाने के चलते विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश भारी मात्रा में निकाल रहे हैं। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बावजूद भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में बनाए रखने के प्रयास



अभी तक तो सफल ही रहे हैं। फिर भी, केलेंडर वर्ष 2026 में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 2.8 लाख करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि निकाल ली है। सितम्बर 2024 तक के 24 माह में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 38,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था जबकि सितम्बर 2026 तक के 24 माह में 56,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की निकासी की गई है। विदेशी संस्थागत निवेशक इतनी भारी मात्रा में अपना निवेश भारत से निकालकर अमेरिकी बांड्स, अमेरिका के शेयर बाजार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया के शेयर बाजार एवं चीन के शेयर बाजार में कर रहे हैं। क्योंकि, अमेरिका में ब्याज दरों (रूएस फेड दर) में वृद्धि के चलते, बांड्स की कीमतें गिरने लगाना 24-25 वर्षों के समय हम सर 5.60 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है। साथ ही, अमेरिकी शेयर बाजार में अभी भी तेजी बनी हुई है क्योंकि वहां की कम्पनियों द्वारा उच्च तकनीकी के नवाचार करने के चलते उनकी उत्पादकता एवं लाभप्रदता में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इसी प्रकार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया में आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र की कम्पनियों में उच्च स्तर की लाभप्रदता दर्ज होने की सम्भावनाएं दिखाई दे रही हैं, इसलिए विदेशी निवेशक अमेरिका, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया जैसे देशों की ओर आकर्षित हो रहे हैं एवं अपना

निवेश इन देशों में बढ़ा रहे हैं। चीन का शेयर बाजार बहुत ही तेजी से नीचे गिरा था जिसके कारण वहां पर कम्पनियों के शेयरों का प्राइज टू ईनिंग पीई रेटियो कीमत/आय रेशो भारतीय कंपनियों के कीमत/आय रेशो की तुलना में अत्यधिक आकर्षक हो गया है। चीन में औसतन यह रेशो 12 प्रतिशत के नीचे है जबकि भारत में यह रेशो औसतन 20 प्रतिशत से अधिक है। अतः विदेशी संस्थागत निवेशकों को भारतीय कम्पनियों के शेयर, चीनी कम्पनियों के शेयर की तुलना में महंगे दिखाई दे रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी डॉलर के लगातार मजबूत होने चलते भारतीय रुपया लगातार कमजोर हो रहा है, इस कारण से भी विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश निकाल रहे हैं। आज भारतीय रुपए की कीमत 96



रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। साथ ही, डॉलर इंडेक्स जो 1 अक्टोबर 2025 को 97.71 के स्तर पर था वह 1 अक्टोबर 2026 को बढ़कर 101.80 के स्तर पर आ गया है। भारतीय कीमतें भी 3,871 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस से बढ़कर 4,170 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई है। भारत स्वर्ण का भारी मात्रा में (कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक) आयात करता है, स्वर्ण के आयात का भुगतान अमेरिकी डॉलर में ही करना होता है, अतः भारतीय रुपए पर इससे अतिरिक्त दबाव बनता हुआ दिखाई दे रहा है।

उत्क संदर्भों को यदि भारतीय अर्थव्यवस्था से जोड़कर देखा जाय तो स्थिति कुछ अलग ही दिखाई देती है। भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज हुई है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह वृद्धि केवल 3 प्रतिशत एवं तेजी से आर्थिक विकास कर रही अर्थव्यवस्थाओं में यह 3.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। जब भारत में आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से अधिक तेज गति से आगे बढ़ेगी तो भारतीय कम्पनियों की आय एवं लाभप्रदता में भी तेज गति से वृद्धि सम्भव होगी। इसी प्रकार, अगस्त 2026 माह में भारत की औद्योगिक विकास दर भी 8 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है जो कि अगस्त 2025 में 4.7 प्रतिशत

के स्तर पर थी। विभिन्न उपायों के भारत से निर्यात अगस्त 2026 में 4,380 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गए हैं जो अगस्त 2025 में 3,480 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर थे। 15 सितम्बर 2026 को समाप्त पखवाड़े में समस्त बैंकों के ऋणों में 18.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह वृद्धि दर 10.4 प्रतिशत की रही थी। इसी प्रकार, बैंकों की जमा राशि में वृद्धि दर भी पिछले वर्ष की 9.5 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष 17.3 प्रतिशत की रही है। बैंकों का ऋण-जमा अनुपात लगभग 81 प्रतिशत के पास पहुंच गया है। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में अतुलनीय वृद्धि दर आंकी जा रही है। बैंकों की सकल गैर निष्पादनकारी आस्तियों में भी कमी दर्ज हुई है और यह जुलाई 2025 के 2.2 प्रतिशत की तुलना में जुलाई 2026 में घटकर 1.68 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गई है। शुद्ध गैर निष्पादनकारी आस्तियां तो पिछले वर्ष के 0.5 प्रतिशत की तुलना में 0.4 प्रतिशत ही रही है। अर्थात्, बैंकों द्वारा प्रदत्त किए जा रहे ऋणों की अदायगी समय पर हो रही है। भारतीय बैंकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात तो आज विकसित देशों की बैंकों से भी अधिक हो गया है, जो जुलाई 2025 के 17.5 प्रतिशत से बढ़कर जुलाई 2026 में 17.8 प्रतिशत के स्तर को पार कर गया है। इससे भारतीय बैंकों की मजबूत स्थिति झलकती है। उद्योगों द्वारा अपनी उत्पादन क्षमता का 75 प्रतिशत से अधिक उपयोग किया जा रहा है, यह ऐसी स्थिति है जब सम्बंधित उद्योग को अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के बारे में विचार प्रारम्भ करना होता है। उत्क जानकारी की सत्यता की गवाही वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण में हो रही लगातार वृद्धि से भी ध्यान में आती है। सितम्बर 2026 माह में 14.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण 2.04 लाख करोड़ से अधिक की राशि का रहा है और यह लगातार तीसरा महीना है जब यह संग्रहण 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक का रहा है। भारत में सितम्बर 2026 माह के दौरान (एकीकृत भुगतान अन्तराष्ट्र) सिस्टम के अंतर्गत प्रतिदिन औसतन 80 करोड़ से अधिक के व्यवहार दर्ज हो रहे हैं, जो पूरे विश्व में किसी भी देश में सबसे अधिक व्यवहार हैं। अगस्त 2026 माह के दौरान उत्क व्यवहार 79 करोड़ के रहे थे और सितम्बर 2025 में 65 करोड़ से अधिक व्यवहार प्रतिदिन के रहे थे। इतिहासज्ञानें कुल मिलाकर भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में दर्ज हो रही विकास दर की कहानी स्पष्ट तौर पर कह रही है कि भारत का भविष्य बहुत सुश्रुति है। और, यह झूठ विमर्श खड़ा किया जाना कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका कष्टकारी प्रभाव पड़ने वाला है, पूर्णतः असत्य है। घबराहट में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा शेयर बाजार से निकाले जा रहे निवेश को आधार बनाकर उत्क झूठे विमर्श को खड़ा करने का प्रयास हो रहा है। (लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक है)।

चीन-पाकिस्तान रक्षा गठजोड़ और भारत की रणनीतिक विवशता

(अशोक भाटिया)

इस संकट को और गहरा करने में हमारे स्वदेशी रक्षा उत्पादन की कछुआ चाल ने बड़ी भूमिका निभाई है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा सफलतापूर्वक शामिल और संचालित कर लेता है, तो भारत की मौजूदा हवाई रक्षा प्रणालियों और राफेल जैसे 4.5 पीढ़ी के विमानों की प्रभावशीलता पर एक गंभीर प्रश्नचिह्न लग जाएगा। चीन इस सौदे के जरिए न केवल भारत को अपने पड़ोस में उत्तड़ाए रखना चाहता है, बल्कि वह भारतीय उपमहाद्वीप में अमेरिकी प्रभाव और भारत की बढ़ती वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को भी सीमित करना चाहता है। यह सौदा साफ तौर पर दर्शाता है कि पाकिस्तान अब चीनी सेना के एक प्रांक्सी के रूप में काम कर रहा है, जिसका एकमात्र उद्देश्य भारत की सैन्य ऊर्जा को निरंतर सोखना है।

इस बाहरी खतरे के बीच, भारत की सबसे बड़ी चिंता उसकी आंतरिक रक्षा तैयारियों की धीमी रफ्तार है। भारतीय वायुसेना को किसी भी दोहरे मोर्चे (चीन और पाकिस्तान) की चुनौती से निपटने के लिए कम से कम 42 लड़कू विमानों की स्काइन की आवश्यकता स्वीकृत है। इसके विपरीत, वर्तमान में यह संख्या खतरनाक रूप से घटकर महज 29 स्काइन पर आ गई है। मिग-21 जैसे पुराने सोवियत कालीन विमानों के चरणबद्ध तरीके से बाहर होने और नए विमानों के शामिल होने की बेहद धीमी दर ने इस खाई को और चौड़ा कर दिया है।

इस संकट को और गहरा करने में हमारे स्वदेशी रक्षा उत्पादन की कछुआ चाल ने बड़ी भूमिका निभाई है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा विकसित किए जा रहे तेजस मार्क-1ए लड़कू विमानों की डिलीवरी में लगातार हो रही देरी ने वायुसेना के आधुनिकीकरण के पहियों को जाम कर दिया है। स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भर भारत का नारा अपनी जगह बेहद सराहनीय और आवश्यक है, लेकिन जब वास्तविक युद्ध की रणनीतियों की बात आती है, तो नारा से ज्यादा जमीन पर विमानों की उपलब्धता मायने रखती है। भारत अपने लड़कू विमानों की संख्या को बनाए रखने के लिए संचर्ण कर रहा है, जबकि उसके दोनों पड़ोसी देश अपनी प्लैटफॉर्म को न केवल आधुनिक बना रहे हैं, बल्कि उनकी संख्या में भी भारी इजाफा कर रहे हैं। वायुसेना प्रमुख के अनुसार, यदि भारत को अपनी छोड़ हुई हवाई श्रेष्ठा वापस पानी है, तो उसे हर साल अपनी प्लैटफॉर्म के कम से कम 36 से 40 नए फाइटर जेट शामिल करने होंगे, जो कि वर्तमान उत्पादन क्षमता को देखते हुए एक बेहद कठिन लक्ष्य प्रतीत होता है।

ऐतिहासिक रूप से, भारत ने पारंपरिक सैन्य मोर्चे पर हमेशा पाकिस्तान के खिलाफ एक गुणात्मक और संख्यात्मक बढ़त बनाए रखी है। 1965, 1971 और 1999 के युद्धों में भारतीय वायुसेना की तकनीकी और रणनीतिक श्रेष्ठा ने निर्णयकारी भूमिका निभाई थी। यहाँ तक कि हाल के वर्षों में फ्रांस से मिले 4.5 पीढ़ी के राफेल विमानों ने पाकिस्तान की वायुसेना के अमेरिकी एफ-16 विमानों पर भारत को एक स्पष्ट मनोवैज्ञानिक और तकनीकी बढ़त दे दी थी। लेकिन चीन द्वारा पाकिस्तान को पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट सौंपने की यह नई डील इस स्थापित संतुलन को पूरी तरह से बिगाड़ने की क्षमता रखती है। पांचवीं पीढ़ी के विमानों की सबसे

मिलेगा। इसके अलावा, दोनों देशों ने आगामी भारत-स्विस अनुसंधान प्रमुख कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की भी घोषणा की है। साथ ही वैश्विक शांति, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार की जरूरत पर दोनों पक्षों ने सहमति जताई है। यूक्रेन और पश्चिम एशिया जैसे संकटों पर भारत ने हर संर्धक शांति प्रयास के समर्थन को अपनी नीति दोहराई। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी इस रिस्ते का अला मोर्चा है। भारत में 2026 के एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन के बाद स्विट्जरलैंड अगले चरण में जिनैवा एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। दोनों देशों की कोशिश जिम्मेदार, समावेशी और मानव-केंद्रित कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए सहयोग बढ़ाने की है।

साफ है कि यह यात्रा केवल पांच समझौतों की कहानी नहीं है। इसके पीछे भारत की रणनीति यूरोप में व्यापार, निवेश, उन्नत तकनीक और विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखलाओं के नए केंद्रों से संबंध मजबूत करने की है, जबकि स्विट्जरलैंड भारत को अपने एशियाई आर्थिक और तकनीकी विस्तार के महत्वपूर्ण एशियाई के रूप में देख रहा है। 7 अक्टूबर का भारत-इंडोफ्री ए/प्रांसेपिटी समिट इस पूरी कवायद को निवेश और कारोबारी परियोजनाओं में बदलने की अगली परीक्षा होगा।

बहरहाल, रणनीतिक तस्वीर बिल्कुल स्पष्ट है। भारत-स्विट्जरलैंड संबंध अब घड़ियों, पर्यटन और बैंकिंग की पारंपरिक छवि से बाहर निकलकर रक्षा उत्पादन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष, स्वच्छ ऊर्जा, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे, स्टार्टअप और वैश्विक कूटनीति के नए मैदान में प्रवेश कर चुके हैं।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

स्विटजरलैंड के साथ रिश्तों को नई ऊंचाई देकर मोदी ने यूरोप में चली बड़ी कूटनीतिक चाल

(नीरज कुमार दुवे)

भारत और स्विट्जरलैंड की साझेदारी का असली रणनीतिक विस्तार रक्षा और उन्नत प्रौद्योगिकी में दिखाई देता है। दोनों पक्षों ने सैन्य आदान-प्रदान और रक्षा उत्पादन में नए अवसर तलाशने तथा परमाणु ऊर्जा सहयोग को और गहरा करने पर सहमति जताई है। दुनिया के बदलते सामरिक और आर्थिक समीकरणों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति लगातार भारत की वैश्विक पहुंच को नए आयाम दे रही है। इसी व्यापक कूटनीतिक रणनीति की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में स्विट्जरलैंड के साथ संबंधों को नई ऊंचाई तक ले जाने की दिशा में आज एक अहम कदम सामने आया। स्विस राष्ट्रपति गाइ पामेलिन की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने प्रवास एवं गतिशीलता, युवा पेशेवरों, परिवहन प्रौद्योगिकी, वैज्ञानिक अनुसंधान तथा नवाचार और स्टार्टअप सहयोग से जुड़े पांच महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। व्यापार और निवेश से आगे बढ़कर रक्षा उत्पादन, परमाणु ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान, उन्नत प्रौद्योगिकी और वैश्विक कूटनीति तक साझेदारी का विस्तार यह संकेत देता है कि भारत-स्विट्जरलैंड संबंध अब एक नए रणनीतिक चरण में प्रवेश कर रहे हैं और मोदी की सक्रिय कूटनीति यूरोप के इस महत्वपूर्ण देश के साथ भारत को साझेदारी को जिस तेजी से व्यापक बनाया है, उसने अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक हलकों का ध्यान खींचा है।

प्रधानमंत्री मोदी और गाइ पामेलिन की मुलाकात का सबसे बड़ा संदेश यह है कि भारत और स्विट्जरलैंड अब अपने रिस्ते को बहु-आयामी रणनीतिक साझेदारी में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। हैदराबाद हाउस में मोदी और पारमेलिन ने व्यापार एवं निवेश, एआई, नवाचार, रक्षा उत्पादन और सैन्य आदान-प्रदान, परमाणु ऊर्जा, विज्ञान-प्रौद्योगिकी तथा लोगों के बीच संपर्क

सहित पूरे संबंधों की समीक्षा की। देखा जाये तो आर्थिक मोर्चे पर भारत-इंडोफ्री व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौता इस रिस्ते की रीढ़ बनकर उभरा है। यह समझौता अक्टूबर 2025 में लागू हुआ था और स्विट्जरलैंड इसे भारतीय बाजार में स्विस कंपनियों की पहुंच और निवेश के लिए अधिक निश्चितता देने वाला करार मानता है। स्विट्जरलैंड के अनुसार भारत एशिया में उसका दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और देश में 330 से अधिक स्विस कंपनियां सक्रिय हैं।

द्विपक्षीय वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस समझौते के जरिए आगले 15 वर्षों में भारत में 100 अरब डॉलर के निवेश और 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार का लक्ष्य रखा गया है। भारतीय कृषि उत्पादों, औषधियों, वर्कों और इंजीनियरिंग उत्पादों के लिए स्विस बाजार में अवसर बढ़ाने के साथ भारत जैव-प्रौद्योगिकी, जीवन विज्ञान, बैंकिंग, बीमा, खाद्य प्रसंस्करण और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में स्विस निवेश आकर्षित करना चाहता है।

लेकिन इस साझेदारी का असली रणनीतिक विस्तार रक्षा और उन्नत प्रौद्योगिकी में दिखाई देता है। दोनों पक्षों ने सैन्य आदान-प्रदान और रक्षा उत्पादन में नए अवसर तलाशने तथा परमाणु ऊर्जा सहयोग को और गहरा करने पर सहमति जताई है। यह संकेत इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि स्विट्जरलैंड की उच्च तकनीकी औद्योगिक क्षमता और भारत की बढ़ती रक्षा विनिर्माण महत्वाकांक्षा मिलकर नए तकनीकी और औद्योगिक सहयोग के रास्ते खोल सकती हैं।

साथ ही दोनों देशों के बीच बुनियादी ढांचे में भी

सहयोग अब जमीन पर दिखाई दे रहा है। वाराणसी रोपवे, नोएडा के जेवर हवाई अड्डे और पर्वतीय क्षेत्रों में रेलवे तथा सुरंग परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए मोदी ने परिवहन, गतिशीलता और आधारभूत ढांचे पर नए समझौते को आगे की साझेदारी का आधार बताया। समझौते में विद्युत वाहन, रोपवे, परिपत्र अर्थव्यवस्था,



सुरंग और टिकाऊ परिवहन प्रणालियों पर सहयोग शामिल है।

साथ ही विज्ञान और नवाचार इस रिस्ते की दूसरी बड़ी धुरी बन रहे हैं। भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और स्विस राष्ट्रीय विज्ञान प्रतिष्ठान के बीच समझौता दीर्घकालिक संयुक्त अनुसंधान का ढांचा तैयार करेगा। स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में नए संयुक्त शोध की शुरुआत भी प्रस्तावित है। ज्यूरिख विश्वविद्यालय के अनुप्रयुक्त विज्ञान संस्थान के साथ समझौते के जरिए शुरुआती चरण के भारतीय स्टार्टअप को प्रशिक्षण, तकनीकी हस्तांतरण, कार्यशालाओं और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग का अवसर

अच्छा कार्य करने वाले वेंडर्स को मिलेगा प्रोत्साहन

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति में तेजी लाएं लापरवाही बरतने वाले वेंडर्स पर होगी कार्रवाई : कलेक्टर

● लंबित प्रकरणों का निराकरण नहीं करने वाले वेंडर्स को नोटिस जारी कर ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश

कांकेर। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जिले में योजना की प्रगति में तेजी लाने के उद्देश्य से आज कलेक्टर कुन्दन कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने योजना में प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं वेंडर्स को कार्य में तेजी लाने तथा हितग्राहियों को योजना का लाभ समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन वेंडर्स द्वारा कार्य में लापरवाही बरती जा रही है तथा लंबित प्रकरणों का समय पर निराकरण नहीं किया जा रहा है, उन्हें



नोटिस जारी कर नियमानुसार ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाए। साथ ही ऐसे वेंडर्स को भविष्य में जिले में किसी भी कार्य का आवंटन नहीं करने के निर्देश भी दिए गए। वहीं, बेहतर कार्य करने वाले वेंडर्स को

प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उन्हें मॉडल सोलर विलेज एवं यूएलए मॉडल के मॉडल प्रोजेक्ट में कार्य करने का अवसर प्रदान करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि अच्छा प्रदर्शन करने वाले वेंडर्स को प्रोत्साहन

मिलने से योजना के क्रियान्वयन में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी तथा अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि योजना के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, समयबद्धता एवं हितग्राहियों की संतुष्टि सुनिश्चित की जाए। बैठक में सोलर वेंडर्स द्वारा बैंकों में सोलर सिस्टम स्थापना के लिए वित्तीय सहायता एवं ऋण संबंधी प्रक्रियाओं में आ रही समस्याओं से भी अवगत कराया गया। इस पर कलेक्टर ने संबंधित बैंक अधिकारियों को समस्याओं का त्वरित निराकरण करने तथा पात्र हितग्राहियों के वित्तपोषण से जुड़े प्रकरणों में अनावश्यक विलंब नहीं करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने संबंधित विभागों, बैंकों एवं वेंडर्स के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया, ताकि अधिक से अधिक परिवार योजना का लाभ लेकर सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली जिल में बचत कर सकें।

रतनजोत के बीज खाने से सात बच्चों की तबियत बिगड़ी

ग्राम पंचायत मटोली गांव का रतनजोत के बीज खाने से सात बच्चों की तबियत बिगड़ी

● मामला स्कूल प्रबंधन पर पालकों ने उठाया सवाल



स्थिति बिगड़ने की सूचना अन्य इलाज के लिए सभी बच्चों को पालकों को भी हुई, जिसके बाद लाया गया। जहां चिकित्सकों की पखांजूर सिविल अस्पताल में निगरानी में रात भर रखा गया है।

शिक्षकों की निगरानी के बाद भी कैसे हुई लापरवाही पालकों का कहना है कि स्कूल में बच्चे शिक्षकों की निगरानी में होते हैं, उसके बाद भी बच्चों को रतनजोत के बीज कहा से मिले, स्कूल में बच्चे शिक्षकों की जिम्मेदारी है उन्हें बच्चों पर नजर रखना चाहिए। ये शिक्षकों की लापरवाही है अगर स्कूल के समय में उनके बच्चे रतनजोत की बीज खाये।

सुबह तक हुआ स्वास्थ्य में सुधार बच्चों को रात भर सिविल अस्पताल में ही रखा गया। सुबह तक बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार होने की बात कही जा रही है हालांकि चिकित्सकों द्वारा अभी कुछ भी स्वास्थ्य को लेकर आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है।

सड़क दुर्घटना में मृत्यु एवं घायल होने के प्रकरण में आर्थिक सहायता स्वीकृत कांकेर। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भानुप्रतापपुर द्वारा सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने के प्रकरण में उनके निकटतम परिजन के लिए 25 हजार रूपए और सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति के लिए 10 हजार रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत किया गया है। चारामा तहसील के ग्राम बड़ेगोरी निवासी टिखेन्द्र कुरेटी की सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर उनके पिता जितेन्द्र कुमार कुरेटी के लिए 25 हजार रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत किया गया है।

डेढ़ साल से भर्ती लटकी, युवाओं का गुर्रसा फूटा ; जल जीवन मिशन पर उठे सवाल, 1,000 करोड़ खर्च के बाद भी 34 हजार घरों तक नहीं पहुंचा शुद्ध पानी

बैलाडीला में बेरोजगारों का हड़ताल, एनएमडीसी के गेट पर तालाबंदी; उत्पादन ठप

बच्चेली। डेढ़ साल से लंबित एल-1 और एल-2 पदों की भर्ती ने स्थानीय युवाओं के सन्न का बांध तोड़ दिया है। रोजगार की मांग को लेकर दत्तेवाड़ा युवा बेरोजगार संघ के नेतृत्व में युवाओं और छात्रों ने एनएमडीसी के मुख्य प्रवेश द्वार पर मोर्चा खोल दिया। सुबह चार बजे से शुरू हुए प्रदर्शन के दौरान पहली शिफ्ट में जाने वाले कर्मचारियों और वाहनों की आवाजाही रोक दी गई, जिससे खदानों का उत्पादन कार्य प्रभावित हो गया। आंदोलनकारियों ने साफ कर दिया है कि भर्ती प्रक्रिया शुरू होने और परीक्षा की समय-सीमा तय होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। युवाओं का आक्रोश सिर्फ भर्ती में देरी तक सीमित नहीं है। उन्हें डर है कि प्रबंधन की लेटलतमी के चलते उनकी



निर्धारित आयु सीमा समाप्त हो जाएगी और वे नौकरी पाने के अवसर से हमेशा के लिए वंचित हो सकते हैं। यही वजह है कि अब मामला आश्वासन से आगे बढ़कर सीधे उकताव की स्थिति में पहुंच गया है। हैदराबाद जाने की सलाह ठुकराई, बैलाडीला में हो समाधान की मांग- खदानों का कामकाज प्रभावित होने के बाद एनएमडीसी अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास

किया। प्रबंधन की ओर से युवाओं को प्रतिनिधिमंडल बनाकर हैदराबाद स्थित मुख्यालय जाने और अधिकारियों से चर्चा करने का सुझाव दिया गया। लेकिन आंदोलनकारियों ने इस प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया। युवाओं का दो टूक सवाल है कि जब बैलाडीला की पहाड़ियों से लौह अयस्क का दोहन हो रहा है, तब स्थानीय युवाओं को अपने रोजगार के

अधिकार की मांग लेकर हैदराबाद क्यों जाना पड़े? प्रदर्शनकारियों ने प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारियों को बैलाडीला पहुंचकर समस्या का समाधान करने और लंबित भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग की। इसके बाद युवा फिर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए। जनप्रतिनिधियों की गैरमौजूदगी पर नाराजगी-आंदोलन के दौरान सत्ताधारी दल के जनप्रतिनिधियों की अनुपस्थिति को लेकर भी युवाओं में नाराजगी देखी गई। बाद में जिला पंचायत उपाध्यक्ष मौके पर पहुंचे और आंदोलनकारियों के बीच मोर्चा संभाला। इससे पहले भी स्थानीय संगठनों और राजनीतिक दलों की ओर से भर्ती शुरू करने के लिए एनएमडीसी प्रबंधन को अल्टीमेटम दिया जा चुका था।

● 6 साल में भी लक्ष्य अधूरा, 1.51 लाख परिवारों को पानी देने का था लक्ष्य, योजनाओं की निष्पक्ष जांच की मांग

कांकेर। कांकेर जिले में जीवन मिशन की कार्यप्रणाली पर कई गंभीर सवाल उठ रहे हैं। 1 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च होने के बाद भी जिले के करीब 34 हजार घरों तक शुद्ध पेयजल नहीं पहुंच पाया का मुद्दा विभागीय आंकड़ों में सामने आया है। योजना का उद्देश्य हर ग्रामीण परिवार तक नल से स्वच्छ पानी पहुंचाना था, लेकिन वर्षों बाद भी कई परिवार पानी के लिए तरस रहे हैं।



जानकारी के अनुसार, वर्ष 2020 में शुरू हुई जल जीवन मिशन योजना के तहत जिले में 1,51,157 परिवारों को शुद्ध जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया था। इसके लिए एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की निविदाएं कराई गईं। इसके बावजूद वर्ष 2026 तक 34,846 घरों तक पानी नहीं पहुंच पाई है।

वया फायदा करोड़ों खर्च का नल जल मिशन योजना के तहत गांवों में पानी की टंकियों का निर्माण कराया गया और पाइपलाइन बिछाई गई। इसके बाद भी कई स्थानों पर घरों तक नियमित जलपूर्ति नहीं हो पा रही है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि जब निर्माण कार्यों पर भारी राशि खर्च की गई, तो आम ग्रामीणों को उसका लाभ क्यों नहीं मिल रहा है।

कांग्रेस नेता ने उठाया मामला कांग्रेस नेता राम कश्यप ने इस मुद्दे को सोशल मीडिया के माध्यम से उठाया, जिसके बाद जिला प्रशासन हरकत में आया। बताया गया है कि कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को 15 दिनों के भीतर हर घर पानी पहुंचाने की कार्ययोजना का अपडेट देने के निर्देश दिए हैं।

निर्माण कार्यों की जांच की मांग इस मामले में पंचायतों की भागीदारी, योजनाओं के निर्माण और उनकी वास्तविक स्थिति पर भी सवाल उठाए हैं। मांग की जा रही है कि जिन गांवों में अब तक पानी नहीं पहुंचा है, वहां योजनाओं की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराई जाए। निर्माण से संबंधित अभिलेख, तकनीकी स्वीकृति, कार्यदेश, भुगतान विवरण और पूर्णता प्रमाण-पत्रों का भी मिलान किया जाए।

जवाबदेही तय करने की मांग जांच में यदि वित्तीय अनियमितता, फर्जी दस्तावेज या सरकारी राशि के दुरुपयोग की पुष्टि होती है, तो जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की गई है। साथ ही प्रभावित गांवों में नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने की जरूरत बताई गई है।

बस्तर के सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी पर युवा कांग्रेस ने उठाई आवाज

जगदलपुर – बस्तर जिले के ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में शासकीय स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति को लेकर बस्तर जिला युवा कांग्रेस ने चिंता व्यक्त करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक जी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में भानपुरी, बकावंड, बस्तर, तोकापाल, लोहाण्डीपुड़ा, बस्तानार, दरभा और करपावंड सहित जिले के प्रमुख शासकीय अस्पतालों में एक्स-रे मशीन, एम्बुलेंस, आवश्यक दवाइयों एवं अन्य मूलभूत स्वास्थ्य सुविधाओं की कमियों को दूर करने की मांग की गई। ज्ञापन प्राप्त करते हुए एम्बुलेंस डॉ. संजय बसाक जी ने मशीनों को ठीक करवाने तथा स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी असुविधाओं को शीघ्र दूर करने का आश्वासन दिया। युवा कांग्रेस ने उम्मीद जताई कि प्रशासन इस विषय पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। युवा कांग्रेस ने कहा कि बस्तर के दूरस्थ गांवों से गरीब, आदिवासी एवं जरूरतमंद मरीज इलाज की उम्मीद लेकर सरकारी अस्पताल पहुंचते हैं। ऐसे में आवश्यक जांच सुविधाओं की कमी, एक्स-रे



मशीनों के खराब रहने, एम्बुलेंस की अनुपलब्धता और जरूरी दवाइयों की कमी के कारण मरीजों एवं उनके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ज्ञापन में मांग की गई कि जिले के प्रमुख शासकीय अस्पतालों में एक्स-रे मशीनों एवं अन्य जांच उपकरणों की कार्यशीलता सुनिश्चित की जाए। ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में पथीय एम्बुलेंस उपलब्ध कराई जाएं, आवश्यक जैरिक दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक रखा जाए तथा अस्पतालों में खराब व्हील चेयर और स्ट्रेचर की मरम्मत या उन्हें बदला जाए। युवा कांग्रेस ने महारानी अस्पताल सहित सभी शासकीय अस्पतालों में मरीजों के साथ सम्मानजनक व्यवहार, डॉक्टर एवं स्वास्थ्यकर्मियों की पर्याप्त उपलब्धता और शिकायतों के त्वरित निराकरण को व्यवस्था मजबूत करने की भी मांग की। इस अवसर पर हेमंत कश्यप ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाएं जनता का अधिकार हैं।

जिला खनिज न्यास निधि के कार्यों में गुणवत्ता और तेजी लाने के निर्देश

● धान खरीदी की तैयारियां 20 अक्टूबर से पहले पूर्ण करना सुनिश्चित करें

कांकेर। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिला खनिज न्यास निधि अंतर्गत स्वीकृत कार्यों के निर्माण में प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी कार्यों में सूचना बोर्ड लगाने तथा उसमें निर्माण से संबंधित सम्पूर्ण विवरण का उल्लेख करने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा है कि इस योजना के अंतर्गत सभी प्रक्रियाओं को ऑनलाइन किया जाए तथा निर्माण एजेंसियों की आईडी जनरेट किया जाए। अधिकारियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि कर्तव्य बोध से कार्य करें तथा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए विकास कार्यों में तेजी लाएं। बैठक में जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडवी, एसडीएम

भानुप्रतापपुर अनिकेत अशोक फड़तरे, अपर कलेक्टर जितेन्द्र कुर्ते एवं जी.डी. वाहिले सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, सभी एसडीएम, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने बैठक में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एवं जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्यों में प्रगति की समीक्षा की तथा इसमें तेजी लाने के लिए निर्देशित किया। पीएम सूर्य घर की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी जनपद सीईओ को भी इसमें सक्रियता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। सभी जिला अधिकारियों एवं उनके अधीनस्थ कर्मचारियों को भी अपने घरों में पीएम सूर्य घर योजनांतर्गत अपने घरों में सोलर पैनल लगाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस कार्य में लगे वेंडर को बैठक लेने जिला पंचायत सीईओ को निर्देश दिए गए। जनपद सीईओ को अपने क्षेत्र के पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्राम पंचायत सचिवों

की बैठक लेकर उन्हें इस योजना की जानकारी देने और अपने घरों में सोलर पैनल लगाने प्रोत्साहित करने के लिए निर्देशित किया गया। इसी प्रकार सभी विकासखण्डों में चिन्हांकित गांवों को सोलर मॉडल गांव के रूप में विकसित करने के लिए कहा गया।

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने आगामी माह से शुरू होने वाले समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए किए जा रहे तैयारियों की भी समीक्षा की गई और जिले में धान खरीदी कार्य सुचारु रूप से सम्पन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, 20 अक्टूबर से पूर्व सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जनपद सीईओ को अपने क्षेत्र के सभी धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण कर केंद्रों तक पहुंच मार्ग को दुरुस्त करने के लिए कहा गया है। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त आवेदनों को शीघ्र निराकृत करने के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया है।

नारायणपुर रास गरबा उत्सव में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब, पत्रकारों का समिति ने किया सम्मान

● पत्रकारों ने माता रानी की आरती कर उत्सव का किया शुभारंभ, चप्पे-चप्पे पर पुलिस की निगरानी

नारायणपुर। जिले में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी महिला एवं युवाओं द्वारा आयोजित नारायणपुर रास गरबा उत्सव धूमधाम और भक्तिमय माहौल में मनाया जा रहा है। उत्सव में माता रानी के दर्शन और गरबा नृत्य में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। रंग-बिरंगी रोशनी, पारंपरिक परिधानों और भक्तिमय संगीत से पूरा आयोजन स्थल उत्सवमय नजर आ रहा है। कार्यक्रम के दौरान आयोजन समिति द्वारा जिले के पत्रकारों को आमंत्रित कर उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर पत्रकारों ने माता रानी की विधिवत आरती कर उत्सव का शुभारंभ किया।



आयोजन समिति ने पत्रकारों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके योगदान की सराहना की। गरबा उत्सव में महिलाओं और युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में प्रतिभागी पारंपरिक वेशभूषा में गरबा नृत्य कर माता रानी की आराधना कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आयोजन स्थल पर चप्पे-चप्पे पर पुलिस की निगरानी रखी जा रही है, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित वातावरण में उत्सव का आनंद ले सकें और कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो। नारायणपुर का यह रास गरबा उत्सव धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक एकता का सुंदर संगम बनकर उभर रहा है। आयोजन में लोगों की बढ़ती भागीदारी से पूरे क्षेत्र में भक्तिमय और उत्साहपूर्ण माहौल बना हुआ है।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन में डीजे के स्थान पर पारंपरिक वाद्य यंत्रों के उपयोग का सामूहिक निर्णय

नवरात्रि, दशहरा एवं दीपावली पर्व पर शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील

कांकेर। नवरात्रि, दशहरा एवं दीपावली की शान्तिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न करने के उद्देश्य से आज जिला पंचायत कांकेर के सभाकक्ष में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक कांकेर आशाराम नेताम, कलेक्टर कुन्दन कुमार, पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा एवं नगर पालिका कांकेर के अध्यक्ष अरुण कौशिक सहित विभिन्न नगरीय निकायों के अध्यक्ष, पार्षद, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी तथा जिला एवं पुलिस प्रशासन के



वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान डीजे सॉरंड सिस्टम का उपयोग नहीं करने तथा भारतीय परंपरा एवं संस्कृति के अनुरूप तबला, ढोलक, मंजीरा एवं अन्य पारंपरिक वाद्य यंत्रों के उपयोग का सामूहिक निर्णय लिया गया।

उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं समाज प्रमुखों ने इस पहल को सामाजिक सद्भाव, सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण और शांतिपूर्ण आयोजन की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने सामूहिक निर्णय की सराहना करते हुए

कहा कि कांकेर जिले में हमेशा से शांति एवं सौहार्द की परंपरा रही है। इसे बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों में डीजे के उपयोग को हतोत्साहित करने और सामाजिक कार्यक्रमों में भी इसके उपयोग से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए समय एवं मार्ग निर्धारित किया जाए। विसर्जन के दौरान किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र लेकर नहीं चलें तथा प्रत्येक दुर्गा समिति अपने स्वयंसेवक नियुक्त करें, जिनमें युवाओं की भी भागीदारी हो।

ध्वनि नियंत्रण संबंधी न्यायालयीन निर्देशों का पालन करने की अपील

बैठक में सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय द्वारा ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के संबंध में जारी निर्देशों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर लागू प्रतिबंध सहित निर्धारित ध्वनि सीमा, अनुमति शोर स्तर एवं संवेदनशील क्षेत्रों से संबंधित नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए। सभी आयोजकों से ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित रखते हुए पर्व मनाने की अपील की गई।

पारंपरिक वाद्य यंत्रों के उपयोग से समाज में जाएगा सकारात्मक संदेश : विधायक नेताम

बैठक को संबोधित करते हुए विधायक आशाराम नेताम ने कहा कि शांति समिति की बैठक में विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने उपस्थित होकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। भारतीय संस्कृति एवं परंपरा के अनुरूप प्राचीन और स्थानीय वाद्य यंत्रों का उपयोग करते हुए दुर्गा प्रतिमा विसर्जन करने का निर्णय सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि

डोल, मंजीरा एवं तबला जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया जाए। सभी समाज प्रमुख अपने-अपने समाज एवं दुर्गा समितियों की बैठक लेकर इस निर्णय को अपनाने के लिए प्रेरित करें, ताकि समाज में सकारात्मक संदेश जाए।

सभी विकासखंडों में भी आयोजित होंगी शांति समिति की बैठकें : कलेक्टर

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने कहा कि बैठक में पर्वों के शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर सार्थक चर्चा हुई है। इसी क्रम में जिले के सभी विकासखंडों में भी शांति समिति की बैठकें आयोजित की जाएंगी। इनमें दुर्गा समितियों के सदस्यों एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों को डीजे के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों तथा सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने दुर्गा समितियों से भारतीय परंपरा के अनुरूप पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ प्रतिमा विसर्जन करने की अपील की। साथ ही सभी दुर्गा आयोजन समितियों को अपने सदस्यों की जानकारी संबंधित थाना में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

सेवा की कहानी- हितग्राही प्रियंका पुरी ने महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि को बताया बहुत ही उपयोगी

गौरेला पेंड्रा मरवाही। छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। इस योजना से लाभान्वित होकर महिलाएं अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम हो रही हैं। गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत सारबहरा निवासी श्रीमती प्रियंका पुरी भी इस योजना की हितग्राही हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें महतारी वंदन योजना की 32वीं किस्त की राशि प्राप्त हो गई है। इस राशि का उपयोग वह अपने दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी के लिए करती हैं। इससे उन्हें अपनी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक सहायता मिलती है। प्रियंका का कहना है कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण और उपयोगी योजना है। इस योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक सहायता मिल रही है, जिससे वे अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। प्रियंका ने इस जनकल्याणकारी योजना के लिए छत्तीसगढ़ शासन के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया। उनका मानना है कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। महतारी वंदन योजना प्रियंका जैसी अनेक महिलाओं के लिए आर्थिक सहयोग का माध्यम बनकर उन्हें आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की राह पर आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रही है।

कलेक्टर रोहित व्यास ने अमृत मिशन 2.0 के तहत स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में अमृत मिशन 2.0 के तहत जशपुर और कुनकुरी नगरीय क्षेत्रों में स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। केंद्र सरकार की प्रमुख योजना अमृत मिशन 2.0 के तहत जशपुर और कुनकुरी नगरीय क्षेत्रों में जल आपूर्ति व्यवस्था के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के लिए लगभग 130.26 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। कलेक्टर ने स्वीकृत सभी कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। नगरपालिका जशपुर के अधिकारियों ने बताया कि नगरीय क्षेत्र में जल आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अमृत मिशन 2.0 के तहत लगभग 86.99 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अंतर्गत 5 ओवरहेड टैंक, एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण और 102 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन का विस्तार अन्य कार्य किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कार्यादेश जारी हो चुका है और सर्वे का कार्य भी पूरा कर लिया गया है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू किए जाएंगे। इसी तरह कुनकुरी नगर पंचायत में जल आपूर्ति व्यवस्था के विस्तार के लिए इस योजना के तहत लगभग 43.27 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। योजना के तहत 50 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन का विस्तार, 940 किलोलीटर क्षमता के ओवरहेड टैंक का निर्माण और फिल्टर प्लांट की स्थापना सहित अन्य कार्य किए जाएंगे। बैठक में नगरपालिका जशपुर के मुख्य नगरपालिका अधिकारी योगेश्वर उपाध्याय सहित नगरपालिका जशपुर एवं नगर पंचायत कुनकुरी के अधिकारीगण उपस्थित थे।

ई-ऑफिस से ही होंगे विभागीय कार्य, मनोरा महाविद्यालय निर्माण में देरी पर ठेका निरस्त करने के निर्देश

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में सभी विभागीय अधिकारियों को ई-ऑफिस के माध्यम से ही शासकीय कार्यों का संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विकासखंड स्तर पर भी ई-ऑफिस व्यवस्था लागू कर नियमित संचालन करने को कहा। बैठक में कलेक्टर ने खाद्य विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए उचित मूल्य दुकानों में चावल के भंडारण और वितरण की जानकारी ली। उन्होंने सभी राशन कार्डधारियों को निर्धारित समय पर हर माह राशन उपलब्ध कराने तथा सीएम हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री की घोषणाओं और जनदर्शन से प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले में स्वीकृत विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कंवर समाज भवन, पुलिया, रंगमंच, सामुदायिक भवन, सीसी रोड, दोकड़ा मिनी स्टेडियम, दुलदुला एवं बंदरचुआ बस स्टैंड, कुनकुरी ऑडिटोरियम और सांस्कृतिक भवन सहित अन्य कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

मंडल में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन थीम पर विशेष स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान आयोजित

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार दिनांक 01 से 15 अक्टूबर 2026 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस दौरान प्रतिदिन निर्धारित थीम के अनुरूप रेलवे परिसरों में स्वच्छता, स्वच्छ पर्यावरण एवं जनजागरूकता से संबंधित विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत दिनांक 11 से 13 अक्टूबर 2026 तक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन थीम पर बिलासपुर मंडल के प्रमुख स्टेशनों, रेलवे परिसरों, कॉलोनियों एवं कार्यालयों में विशेष स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। मंडल के बिलासपुर, रायगढ़, चांपा, शहडोल, कोरबा, अनूपपुर, उमरिया सहित मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न विभागों के कर्मचारियों, ऑन-बोर्ड हाउसकीपिंग स्टाफ,पेंट्रीकार एवं कैटरिंग स्टाफ वेंडर्स तथा अनुबंधित ठेकेदारों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी गई। इस दौरान कचरे के पृथक्करण, बल्क वेस्ट जनरेटर के दायित्वों तथा नियमों के उल्लंघन पर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में नवरात्रि मेले के दौरान शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने विशेष अभियान

रेलवे के सभी स्टेशनों में पेयजल स्रोतों की सघन जांच और निगरानी

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा नवरात्रि मेले के दौरान यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से व्यापक जांच एवं निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के मार्गदर्शन तथा प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. देवेश कुमार के नेतृत्व में संचालित इस विशेष अभियान के अंतर्गत रेलवे के सभी स्टेशनों एवं प्रमुख परिसरों में पेयजल की गुणवत्ता, उपलब्धता, स्वच्छता और रखरखाव व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. देवेश कुमार एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मंगला नारायण के निर्देशन में पेयजल की गुणवत्ता की व्यापक जांच की जा रही है। स्वास्थ्य निरीक्षक द्वारा मौके पर ही पेयजल में अवशिष्ट क्लोरीन एवं कुल घुलित ठोस पदार्थों की जांच की गई। साथ ही, जीवाणु एवं रासायनिक परीक्षण के लिए पेयजल के नमूने भी संकलित किए जा रहे हैं। इस अभियान



के अंतर्गत नवरात्रि मेले के प्रमुख स्टेशन डोंगरगढ़ सहित विभिन्न स्टेशनों पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, खाद्य संरक्षा अधिकारियों एवं स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा अन्य संबंधित विभागों के निरीक्षकों के समन्वय से निर्धारित स्थलों का

निरीक्षण किया जा रहा है। इस दौरान पेयजल की उपलब्धता, गुणवत्ता एवं वितरण व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच कर आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी 280

स्टेशनों के साथ रेलवे कॉलोनियों, अस्पतालों, कार्यालयों एवं अन्य प्रमुख परिसरों में उपलब्ध प्रत्येक पेयजल स्रोत को इस अभियान में शामिल किया गया है। इसके अंतर्गत नल, वाटर कूलर, वाटर बूथ, वाटर फिल्टर सहित विभिन्न पेयजल सुविधाओं का निरीक्षण एवं नियमित निगरानी की जा रही है, ताकि यात्रियों, रेल कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। पेयजल के नमूनों की जांच के दौरान जहां भी निर्धारित मानकों के अनुरूप सुधार की आवश्यकता पाई जाती है, वहां संबंधित नमूने लेकर जांच की जाती है, ताकि पेयजल में अवशिष्ट क्लोरीन की निर्धारित मात्रा बनाए रखने सहित गुणवत्ता संबंधी मानकों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। अभियान के दौरान सभी पेयजल स्रोतों की साफ-सफाई, स्वच्छता एवं रखरखाव व्यवस्था का भी बारीकी से

निरीक्षण किया जा रहा है। इसके साथ ही जलजनित रोगों की रोकथाम के लिए आवश्यक सावधानियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पेयजल गुणवत्ता की निगरानी के साथ खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया जा रहा है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा संचालित यह विशेष अभियान नवरात्रि मेले के दौरान यात्रियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने तथा रेलवे परिसरों में बेहतर स्वास्थ्य एवं स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। रेलवे प्रशासन द्वारा सभी निर्धारित स्थलों पर पेयजल की गुणवत्ता की सघन निगरानी करते हुए आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों, रेल कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल तथा स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

एसईसीएल मुख्यालय में अंतर-क्षेत्रीय हॉकी टूर्नामेंट 2026-27 का भव्य शुभारंभ किया

■ मुख्यालय सहित विभिन्न संचालन क्षेत्रों की 16 टीमें ले रही हैं प्रतियोगिता में भाग



बिलासपुर। एसईसीएल मुख्यालय की मेजबानी में आज दिनांक 14 अक्टूबर 2026 को अंतर-क्षेत्रीय हॉकी टूर्नामेंट 2026-27 का स्व. श्री बी.आर. यादव अंतर्राष्ट्रीय हॉकी मैदान, बहताराई, बिलासपुर में उत्साहपूर्ण शुभारंभ हुआ। इस प्रतियोगिता में एसईसीएल मुख्यालय सहित विभिन्न संचालन क्षेत्रों की कुल 16 टीमों भाग ले रही हैं। मुख्य अतिथि निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंचो दास ने हॉकी मैदान पर गोल कर टूर्नामेंट का औपचारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंचो दास

उपस्थित रहे। अपने संबोधन में श्री दास ने कहा कि हॉकी जैसे तेज गति के खेल में टीमवर्क, समन्वय और मानसिक दृढ़ता का विशेष महत्व है। खेल के मैदान में सीखे गए ये गुण कार्यस्थल पर भी सफलता प्राप्त करने में सहायक होते हैं। उन्होंने एसईसीएल में खेल प्रतिभागों को प्रोत्साहित करने, बेहतर खेल सुविधाएँ विकसित करने तथा खिलाड़ियों को बड़े मंचों तक पहुँचाने के अवसर प्रदान करने पर जोर दिया। इस अवसर पर मुख्यालय के विभागाध्यक्ष, जेसीसी, कल्याण मण्डल, सिस्टा/एसोसिएशन के प्रतिनिधिगण, अधिकारी ,

कर्मचारी एवं डीएवीस्कूल प्रिंसिपल उपस्थित रहे। समारोह के प्रारंभ में महाप्रबंधक (कल्याण) श्री बी.सी. सेठी ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया तथा मुख्य अतिथि का स्वागत किया। अन्य विशिष्ट अतिथियों का स्वागत वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन) श्री विवेक सिंह एवं वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन) श्री आस्तिक साहू ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी एवं कल्याण विभाग में पदस्थ वरिष्ठ डीईओ श्री राजेश हेनरी ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को खेल भावना, अनुशासन एवं निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की शपथ दिलाई।

एसबीआई रेलवे सैलरी पैकेज के तहत मृतक कर्मचारी की पत्नी को प्रदान की गई आर्थिक सहायता :01 करोड़ 10 लाख का बीमा दावा भुगतान



बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल के कार्मिक विभाग में आज भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा रेलवे सैलरी पैकेज (Railway Salary Package) के अंतर्गत दिवंगत रेल कर्मचारी स्वर्गीय शिवा सिंह पूर्व टैंक मेंटेनर /खोडरी, की धर्मपत्नी को ? 01 करोड़ 10 लाख की बीमा दावा राशि प्रदान की गई। यह बीमा दावा भुगतान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल एवं भारतीय स्टेट बैंक के मध्य अक्टूबर 2024 में संपन्न हुए समझौता ज्ञापन (रूफ) के अंतर्गत उपलब्ध कराई जा रही रेलवे सैलरी पैकेज योजना का हिस्सा है। इस योजना के तहत एसबीआई में वेतन खाता रखने वाले रेल कर्मचारियों को विभिन्न निःशुल्क बीमा सुविधाओं सहित

अनेक वित्तीय लाभ प्रदान किए जाते हैं। इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारी श्री यू. एस. एस. राव, कल्याण निरीक्षक श्री राहुल मजूमदार, एसबीआई के कार्पोरेट सैलरी रिलेशनशिप प्रबंधक श्री अंकुश गुप्ता, तथा शाखा प्रबंधक श्री मृत्युंजय वर्मा उपस्थित रहे। रेलवे सैलरी पैकेज योजना का उद्देश्य रेल कर्मचारियों एवं उनके परिवारों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना

है, ताकि किसी आकस्मिक अथवा दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति में उनके आश्रितों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध हो सके। दिवंगत कर्मचारी के परिजनों को प्रदान की गई यह ? 01 करोड़ 10 लाख की बीमा सहायता इस योजना की प्रभावशीलता तथा कर्मचारी कल्याण के प्रति भारतीय रेलवे और भारतीय स्टेट बैंक की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

सेवा संकल्प अभियान:गगनई जलाशय में स्वच्छता एवं जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित..

■ जल जन चौपाल में ग्रामीणों ने लिया जल स्रोतों के संरक्षण एवं स्वच्छता का संकल्प

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में जल स्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता एवं जनजागरूकता के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में आज ग्राम पंचायत भरीडांड स्थित गगनई जलाशय में जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में स्वच्छता एवं जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जलाशय एवं आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता गतिविधियों के साथ ही जल जन चौपाल, ग्रामीण पेयजल स्रोतों की जांच तथा ग्राम जल सुरक्षा संवाद का आयोजन किया गया। विभागीय अमले द्वारा ग्रामीणों को जल संरक्षण का महत्व बताते हुए जल स्रोतों को स्वच्छ एवं



प्रदूषणमुक्त रखने, पानी का सदुपयोग करने तथा वर्षा जल संचयन के प्रति जागरूक किया गया। जल जन चौपाल में ग्रामीणों को बताया गया कि जल जीवन का आधार है और इसका संरक्षण प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। जलाशयों, नदी घाटों एवं अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है, बल्कि पेयजल

की गुणवत्ता बनाए रखने में भी मदद मिलती है। ग्रामीणों से जल स्रोतों में कचरा एवं गंदगी नहीं डालने तथा जल संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की गई। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों ने जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने, पानी की बर्बादी रोकने तथा भावी पीढ़ियों के लिए जल संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का सामूहिक संकल्प लिया।

समाजसेवी राजेन्द्र साहू ने किया 59वीं बार रक्तदान

कोरबा। 'जन सेवा ही मानव सेवा है' के संकल्प के साथ और अंधविश्वास जैसी कुरीतियों को समाप्त करने के प्रयासों तथा नेत्रदान, किडनीदान, हृदयदान और देहदान के प्रति जागरूकता फैलाने में उनके योगदान को देखते हुए दिया गया। राजेंद्र साहू सामाजिक विषयों पर लेखन के माध्यम से भी जनजागरण का प्रयास करते रहे हैं। उनके प्रकाशित लेखों में 'साहसी बनो, संघर्ष करो, मिलेंगे जीत', 'युवा तुम डटे रहो', 'युवा चेतना एवं जागृति', 'देहज प्रथा अभिशाप', 'जनप्रतिनिधि के चुनाव में राष्ट्रहित आवश्यक', 'वैवाहिक जागरूकता' और 'रक्तदान महानदी' जैसे विषय शामिल हैं। इन जनकल्याणकारी लेखों के आधार पर उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर 'निराला स्मृति सम्मान' से सम्मानित किया गया।



लागू दंडात्मक प्रावधानों के संबंध में जागरूक किया गया। रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों,कार्यालयों एवं रेलवे कॉलोनियों में स्वच्छता संबंधी क्या करें और क्या न करें के पोस्टर प्रदर्शित किए गए। साथ ही कर्मचारियों एवं वेंडर्स को स्वच्छता बनाए रखने, कचरे को निर्धारित

डस्टबिन में डालने तथा संबंधित नियमों का पालन करने के लिए जागरूकता शपथ दिलाई गई। इन गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता को दैनिक कार्यप्रणाली का अभिन्न हिस्सा बनाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी विकसित करने पर बल दिया गया,

साथ ही एकत्रित कचरे को संबंधित नगरीय निकाय को सौंपने की प्रक्रिया सुनिश्चित की गई। साथ ही सफाई मित्रों, हज्जारा स्टाफ एवं पेंट्रीकार कर्मचारियों को कचरे के उचित पृथक्करण, सुरक्षित रखरखाव तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार निस्तारण के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। कचरे का उचित प्रबंधन एवं सुरक्षित निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर चार प्रकार के कचरे के लिए रंग-कोडेड डस्टबिन उपलब्ध कराए गए हैं। इनके माध्यम से कचरे को उत्पत्ति स्थल पर ही अलग-अलग एकत्रित करने के प्रति यात्रियों को जागरूक किया गया। प्लास्टिक कचरे के उचित निस्तारण एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बिलासपुर मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर स्थापित प्लास्टिक बोतल क्राशिंग मशीनों की उपयोगिता एवं कार्यप्रणाली के संबंध में यात्रियों को जागरूक किया गया। साथ ही, खाली प्लास्टिक बोतलों के उचित निस्तारण तथा स्टेशनों को स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल बनाए रखने में इन मशीनों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी दी गई।

शारदीय नवरात्रि के पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा

नवरात्रि का पांचवां दिन मां स्कंदमाता को समर्पित माना जाता है। इस समय शारदीय नवरात्रि चल रहे हैं। नवरात्रि का पांचवां दिन 15 अक्टूबर 2026, गुरुवार को है। प्रेम और ममता की प्रतीक मां स्कंदमाता को विद्यावाहिनी, माहेश्वरी और गौरी भी कहा जाता है। मां स्कंदमाता स्कंद कुमार भगवान कार्तिकेय की माता हैं। देवी की गोद में स्वयं देव विराजमान हैं। मान्यता है कि मां स्कंदमाता की पूजा करने से व्यक्ति की बुद्धि का विकास होता है, ज्ञान की प्राप्ति होती है और संतान सुख की प्राप्ति होती है। इसके अलावा मां अपने भक्तों के जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली लाती हैं। मान्यता है कि मां स्कंदमाता की पूजा-अर्चना करने, व्रत रखने और कथा का पाठ करने या सुनने मात्र से ही संतान सुख के योग बनते हैं। ज्ञानें नवरात्रि के पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा कैसे करें, मुहूर्त, प्रिय भोग, रंग, मंत्र, कथा और आरती।

वर्षों कहलाई स्कंदमाता: नवरात्रि के पांचवे दिन की देवी स्कंदमाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान शिव की अधिष्ठािनी के रूप में मां ने भगवान कार्तिकेय को जन्म दिया था। स्वामी कार्तिकेय का दूसरा नाम स्कंद है। इसलिए मां दुर्गा के इस रूप को 'स्कंदमाता' कहा जाता है।

मां स्कंदमाता का स्वरूप:



रूप में सम्मानपूर्वक रखा जा सकता है। तुलसी का विष्णु और कृष्ण की भक्ति परंपराओं के साथ विशेष रूप से गहरा संबंध है, इसलिए इसे



स्कंदमाता पूजा के लिए एक विशिष्ट आवश्यकता के रूप में प्रस्तुत नहीं किया जाना चाहिए।

मां स्कंदमाता के स्वरूप की बात करें तो देवी चार भुजाओं वाली हैं। मां अपनी गोद में स्वामी कार्तिकेय को लेकर शेर पर विराजमान हैं। मां के दोनों हाथों में कमल है। मां के चेहरे पर सूर्य के समान तेज है। मां स्कंदमाता की पूजा में धनुष बाण अर्पित करना भी शुभ माना जाता है।

स्कंदमाता की कैसे करें पूजा:

मां स्कंदमाता की पूजा करने के लिए नवरात्रि के पांचवें दिन सुबोध से पूर्व उठकर स्नान कर लें और पूजा स्थल की साफ-सफाई कर लें। इसके बाद एक चौकी पर लाल या पीले रंग का साफ कपड़ा बिछाएं और मां की तस्वीर या फोटो को स्थापित करें। अब पूजा में फल, फूल, मिठाई, लौंग, इलायची, धूप, दीप, अक्षत और

पान का पत्ता आदि अर्पित करें। मां की कपूर और घी का दीपक जलाकर आरती उतारें। पूजा के बाद क्षमा याचना करके दुर्गा सप्तशती या दुर्गा चालीसा का पाठ करें। मां की कृपा से आपकी कामनाएं पूर्ण होंगी।

मां स्कंदमाता की पूजा के शुभ मुहूर्त

अमृत काल – रात 08 :58 बजे से रात 10 :45 बजे तक।
ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 04 :51 बजे से सुबह 05 :39 बजे तक।
अभिजीत मुहूर्त – सुबह 11 :49 बजे से दोपहर 12 :35 बजे तक।
गोघृष्टि मुहूर्त: शाम 05:47 बजे से शाम 06 :11 बजे तक।



फोटो : राहुल सार्प

माझगांव (नारलवाडी) में स्थापित होने वाली प्रसिद्ध देवी मां 'माझगांवची राजमाता' का इस वर्ष 57 वां वर्ष मनाया जा रहा है।

मां स्कंदमाता की पूजा के लिए आवश्यक सामग्री

आपके पांचवें दिन की देवी साफ-सुखरी रहनी चाहिए और आपका ध्यान मां स्कंदमाता और नवरात्रि कलश पर केंद्रित होना चाहिए। मंदिर के चारों ओर स्थायी चांदी की कलाकृतियों को सूक्ष्मता से व्यवस्थित करके रखा जा सकता है। मां स्कंदमाता की पारंपरिक कमल-आसन वाली छवि के कारण ' एक चांदी का कमल' विशेष रूप से प्रासंगिक है। इसे साफ-सुखरी और ऊँची सतह पर सम्मानपूर्वक रखें। चांदी का स्वास्तिक घर के मंदिर में एक पारंपरिक शुभ प्रतीक के रूप में रखा जा सकता है। हिंदू परंपरा में, स्वास्तिक का इतिहास

यूरोप में 20वीं शताब्दी में इसके दुरुपयोग से कई सदियों पहले का है और भारतीय धार्मिक संदर्भों में यह शुभता और कल्याण के साथ पवित्र जुड़ाव रखता है।

बछड़े सहित चांदी की कामधेनु गाय



चांदी की बनी कामधेनु गाय अपने बछड़े के साथ पांचवे दिन के पालन-पोषण के प्रतीकवाद को पूरा कर सकती है।परंपरागत रूप से कामधेनु को पोषण और प्रचुरता से जोड़ा जाता है, जबकि गाय और बछड़े की छवि स्वाभाविक रूप से देखभाल और मातृत्व के विषयों को सुदृढ़ करती है।

यह मा स्कंदमाता पूजा की अनिवार्य वस्तु नहीं है, लेकिन इसे स्थायी आध्यात्मिक संग्रह में रखा जा सकता है।

सित्वर तुलसी का पौधा
एक चांदी की तुलसी का पौधा आपके घर के मंदिर में पवित्र तुलसी के एक स्थायी प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व के

मां स्कंदमाता को खास पकवान का भोग लगाएं

नवरात्रि का पांचवां दिन मां स्कंदमाता को समर्पित होता है। मान्यताओं की माने तो मां स्कंदमाता को केले का भोग अर्पित करना अत्यंत शुभ माना जाता है, क्योंकि केला देवी को प्रिय फल है। ऐसे में इस दिन केले से बने विशेष फलाहारी पकवान बनाकर उन्हें भोग लगाना न केवल धार्मिक रूप से फलदायक होता है, बल्कि श्रद्धा और आस्था का प्रतीक भी होता है। चूंकि ये व्रत का समय होता है, इसलिए केले से बने व्यंजन पुरी तरह से फलाहारी होते हैं जिन्हें व्रतधारी स्वयं भी ग्रहण कर सकते हैं। केले से बने पकवान न सिर्फ स्वाद में उत्तम होते हैं, बल्कि ऊर्जा से भरपूर भी होते हैं, जो व्रत के दौरान शरीर को संतुलित रखने में मदद करते हैं। तो आइए आपको केले से बने तीन पकवानों के बारे में बताते हैं, जिसका आप भोग भी लगा सकते हैं, और व्रत में खुद भी सेवन कर सकते हैं।

केले की स्मूदी बनाने का सामान व विधि:

2 पके केले, 1 कप ठंडा दूध , 1 छोटा चम्मच शहद, 1/4 छोटा चम्मच इलायची पाउडर। केले की स्मूदी बनाने के लिए सबसे पहले केले को छीलकर टुकड़ों में काट लें। अब एक मिक्सर जार में केला, दूध, शहद और इलायची पाउडर डालें। इसी दौरान आइस क्यूब्स को भी इसमें डाल लें। अब सभी चीजों को अच्छी तरह से ब्लेंड करें। इस स्मूदी को एक गिलास में निकालें और ऊपर से कुछ कटे हुए ड्राय फ्रूट्स डालें। अब इसे टंडा-टंडा परोसें। शहद की जगहआप व्रत में चीनी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

पेरट जैसा बना लें। अब एक कढ़ाई में धी गंरम करें और उसमें काजू- बादाम हल्का भून लें। निकाल लें। अब उसी धी में मैश किया हुआ केला डालें और मध्यम आंच पर 5-7 मिनट तक भुनें। जब हलवा गाढ़ा होने लगे, तब उसमें शक्कर और इलायची पाउडर डालें। शक्कर घुलने के बाद हलवे को 2-3 मिनट और भुनें। ऊपर से भुने काजू- बादाम डालकर गरम या ठंडा परोसें।



केले का हलवा बनाने का सामान व विधि:
2 पके केले, 2 टेबल स्पून पी, 2 टेबलस्पून चीनी, 1/4 छोटा चम्मच इलायची पाउडर, 4-5 काजू- बादाम। केले का हलवा बनाने के लिए सबसे पहले तो केले को मैश करके

आज का राशिफल

मेघ राशि - आज मन किसी महत्वपूर्ण फैसले को लेकर दुविधा में रह सकता है। ऐसे में जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें, क्योंकि बाद में यही कदम परेशानी का कारण बन सकता है। आपकी स्वतंत्र सोच आपको अपने मन के अनुसार चलने के लिए प्रेरित करेगी, लेकिन आज समय और धैर्य रखना ज्यादा जरूरी रहेगा। आर्थिक कमी के कारण लंबे समय से अटकता कोई काम अब गति पकड़ सकता है। जिस काम में आप पूरी एकाग्रता और समर्पण के साथ जुटेगे, उसमें सफलता मिलने की संभावना मजबूत रहेगी। बस ध्यान भटकने न दें और अपने लक्ष्य पर पूरी नजर रखें।

रुध्र राशि - आज का दिन परिवार और आपनों के साथ खुशियां बांटने का अवसर देगा। घर में बैठकर किसी पुरानी समस्या का समाधान निकल सकता है, जिससे वातावरण में सुकून और सकारात्मकता आएगी। गतिविध की योजनाओं को लेकर किसी करीबी व्यक्ति के साथ महत्वपूर्ण बातचीत भी हो सकती है। यदि सांकेतिक में कोई नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं, तो उससे जुड़े सभी पहलुओं को अच्छी तरह जांच लें।

मिथुन राशि - आज सावधानी और संतुलन बनाए रखना आपके लिए बेहद जरूरी रहेगा। चाहते वलाते समय विशेष सतर्क रहें, क्योंकि छोटी-सी लापरवाही भी अनारवश्यक खर्च करा सकती है। परिवार या दोस्तों के साथ घूमने की योजना बने तो दिन खुशनुमा हो सकता है। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता या खेल से जुड़ी गतिविधियों में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। मनपसंद चीजों पर खर्च करने की इच्छा बढ़ेगी, लेकिन बजट का ध्यान रखना जरूरी होगा।

कर्क राशि - आज पिताजी के साथ किसी विषय को लेकर मतभेद हो सकता है, लेकिन उनकी बात या सलाह को पूरी तरह नजरअंदाज न करें। आगे चलकर वही सलाह आपके लिए उपयोगी साबित हो सकती है। घर में किसी नए काम या बदलाव की योजना बन सकती है और उसके लिए आर्थिक व्यवस्था पर भी विचार करना पड़ेगा। स्वास्थ्य के मामले में लापरवाही बिल्कुल न करें, क्योंकि छोटी परेशानी को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है।

सिंह राशि - आज आपका मन आध्यात्मिक गतिविधियों की ओर आकर्षित हो सकता है। पूजा-पाठ, धार्मिक आयोजन या किसी शुभ कार्य में शामिल होने से मन को शांति और संतोष मिलेगा। परिवार के किसी सदस्य की कोई बात आपको भावुक कर सकती है, लेकिन तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय धैर्य से स्थिति को समझें। व्यापार में कुछ चुनौतियां सामने आ सकती हैं, फिर भी आपकी निर्णय लेने की क्षमता मजबूत रहेगी।

कन्या राशि - विद्यार्थियों के लिए आज का दिन नई संभावनाएं लेकर आ सकता है। पढ़ाई के साथ किसी प्रशिक्षण, नई जगह सीखने या अनुभव हासिल करने का अवसर मिल सकता है। बीती गलतियों से मिली सीख अब आपके लिए आगे बढ़ने का मजबूत आधार बनेगी। जीवनसाथी के करियर से जुड़ी कोई अच्छी खबर पूरे परिवार में खुशी ला सकती है।

तुला राशि - आज कुछ महत्वपूर्ण लोगों से आपकी मुलाक़ात भविष्य की दिशा में नया रास्ता खोल सकती है। यात्रा के योग्य बन रहे हैं और यह यात्रा आपके लिए उपयोगी या लाभदायक साबित हो सकती है। विदेश से जुड़े व्यापार या कामकाज में कोई सकारात्मक समाचार मिलने की संभावना है। आज हर कार्य को योजना बनाकर करना बेहतर रहेगा। अपनी जिम्मेदारियां पूरी तरह दूसरों के भरोसे छोड़ने से निराश हो सकती है, इसलिए बीच-बीच में आपका ध्यान पर खुद नज़र रखें।

वृश्चिक राशि - दिन सामान्य नजर आ सकता है, लेकिन इसके भीतर कई महत्वपूर्ण संकेत छिपे हुए हैं। किसी नई निर्णय के समय आपकी समझदारी और व्यावहारिक सोच आपको सही दिशा दिखाएगी। रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और मन में नए विचार जन्म ले सकते हैं। कामकाज की भागदौड़ अधिक रहने से बकाने महसूस हो सकती है, इसलिए बीच-बीच में आराम भी जरूरी है।

धनु राशि - आज बीती गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ने का दिन है। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपके काम में अड़चन डालने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए अपनी योजनाओं और गतिविधियों को लेकर सतर्क रहें। किसी अनजान व्यक्ति पर तुरंत भरोसा करना उचित नहीं होगा। दूर रहने वाले किसी रिश्तेदार से मिली खबर मन को थोड़ी चिंता या उद्वेग दे सकती है।

मकर राशि - आज आपकी मेहनत, लगन और समर्पण आपको कार्यक्षेत्र में अलग पहचान दिला सकते हैं। जीवनसाथी की ओर से मिलने वाला कोई सराप्राज आपके दिन को खास बना सकता है। ऑफिस में आपका प्रदर्शन वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करेगा और इसका लाभ आगे चलकर भी मिल सकता है। नया वाहन खरीदने का विचार मन में उत्साह पैदा करेगा और इस दिशा में योजना भी बन सकती है।

कुंभ राशि - आज खर्च आपकी उम्मीद से कुछ अधिक हो सकते हैं, इसलिए बजट पर विशेष नजर रखना जरूरी होगा। नया घर या संपत्ति खरीदने का विचार मन में आ सकता है, लेकिन कोई भी फैसला अपनी आर्थिक क्षमता और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर ही लें। परिवार से जुड़ी समस्याओं को बातचीत और समझदारी से सुलझाने का प्रयास सफल रहेगा।

मीन राशि - आज हर काम में सोच-समझकर आगे बढ़ना आपके लिए जरूरी रहेगा। कार्यक्षेत्र में जल्दबाजी से किया गया काम गलती का कारण बन सकता है, इसलिए महत्वपूर्ण कार्यों को सावधानी से संचालित करें। विशेष नियंत्रण रखें, क्योंकि आपकी कोई बात वरिष्ठ अधिकारियों को अच्छी न लग सकती है। परिवार के साथ समय बिताने और कहीं घूमने की योजना बनाने का अवसर मिलेगा। व्यापार से जुड़े लोगों को अपेक्षित लाभ मिलने की संभावना है।

बि जी लाइफ शेड्यूल में अक्सर लोग परिवार की जरूरतों और अपनी जिम्मेदारियों को निभाते निभाते लोग अक्सर खुद से दूर हो जाते हैं। जिसकी वजह से समय के साथ गैटल हेल्थ पर असर होता है। जब कोई व्यक्ति मानसिक रूप से ठीक नहीं होता है, तो उसके व्यवहार और शरीर में कुछ बदलाव दिखाई देते हैं, जैसे खाना पान में बदलाव, एनर्जी की कमी, मुड़ में उठाए बढ़ाव वगैरह। अक्सर लोग इन्हें इग्नोर करते हैं जिसकी वजह से आगे चलकर बड़ी हो जाती है। जिसके बारे में लोग खुलकर बात नहीं करते हैं। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने, लोगों को खुलकर अपनी बात रखने और समय पर सही मदद मिलाने की जरूरत कोसमझाने के लिए हर साल 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है।

आज की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद को खुश करने का सबसे अच्छा और जरूरी तरीका है मन को शांत करना। इसे शांत रखने और खुद से दोबारा खुद से जुड़ने के लिए ध्यान एक बेहतरीन और असरदार तरीका हो सकता है। रोजाना कुछ मिनट ध्यान लगाने से न केवल तनाव कम करने में मदद मिलती बल्कि मानसिक सुकून पाने के लिए ये बेहतरीन है। ध्यान से रोजाना अपने विचारों और फीलिंग्स को बेहतर ढंग से समझने का मौका मिलता है। आइए जानते हैं कि कैसे रोजाना ध्यान को अपने रूटीन का हिस्सा बनाकर आप मन को शांत कर सकते हैं।

मेडिटेशन आपके 'असली रूप' और उन चीजों के बीच थोड़ी जगह बनाता है जिनका बोझ



आपके कंधे पर है। अक्सर जिम्मेदारियां, उम्मीदें, चिंताएं, रिश्ते और रोजाना की जिंदगी का के ये विचार खुद को सुना और यह रामझना मुश्किल बना देते हैं कि आप असल में क्या महसूस कर रहे हैं। लेकिन जब आप मेडिटेशन करते हैं, तो आप खुद को रुकने और 'अभी' में जीने का मौका देते हैं। ऐसा करके आप खुद के साथ दोबारा जुड़ सकते हैं। इसे करने के लिए पहले किसी आरामदायक जगह पर बैठें। अपने कंधों को ढीला छोड़ें और धीरे-धीरे कुछ सांसें लें। कुछ पल के लिए सब कुछ करना बंद कर दें। अब अपनी सांस और शरीर पर ध्यान दें। बिना किसी बदलाव की कोशिश किए, तनाव, बेचैनी या शांति, जो भी महसूस हो, उस पर ध्यान दें।

जब ध्यान की स्थिति में पहुंच जाए तब खुद से पूछें कि 'अभी कैसा महसूस हो रहा' बिना खुद को जज किए, जो भी फीलिंग मन में आए, उसे महसूस होने दें। बेहतर और सोच-समझकर जीने के लिए रोजाना अपनी स्थिति के प्रति जागरूक रहें। धीरे से पूछें 'अभी मुझे अपनी जिंदगी में किस चीज की ज्यादा जरूरत है?' जवाब के लिए जबरदस्ती न करें। बस देखें कि मन में क्या आता है। अगर आरामदायक लगे, तो अपना हाथ दिल पर रखें। ऐसा करने के बाद खुद को याद दिलाएं, कि जरूरी नहीं कि सब कुछ पहले से तय हो। मैं अभी जिस स्थिति में हूँ, उसी में खुद को अपना सकता हूँ।

दवाई लेते समय कितना पिएं पानी

दवाई लेते समय हम आमतौर पर ड्रोज और टाइमिंग का ध्यान रखते हैं, लेकिन यह देखना भूल जाते हैं कि उसके साथ कितना पानी पीना चाहिए। कई लोग गोली सिर्फ दो-तीन घूंट पानी के साथ निगल लेते हैं या फिर दवाई लेते ही लेते जाते हैं। डॉक्टरों के अनुसार, ये छोटी-सी गलती खाने की नली में जलन और दूसरी परेशानी की वजह बन सकती है। लेकिन इसका मतलब यह भी नहीं है कि दवाई के साथ जितना ज्यादा पानी पिएं, उतना बेहतर है। आखिर एक गोली के साथ कितना पानी लेना सही है और दवाई लेते समय किन गलतियों से बचना चाहिए? जान लेते हैं-

एक गोली के साथ कितना पानी पिएं?

आमतौर पर गोली या कैप्सूल को एक पूरे गिलास (200 से 250 मिलीलीटर) सादे पानी के साथ लेना



बेहतर माना जाता है। सिर्फ दो-तीन घूंट पानी के साथ गोली निगलने से बचें। पर्याप्त पानी गोली को खाने की नली से आसानी से नीचे जाने में मदद करता है। इससे गोली के बहां अटकने या ज्यादा देर तक चिपके रहने का खतरा कम होता है।

कम पानी के साथ दवाई लेने से क्या दिक्कत हो सकती है?

लिलावती अस्पताल एंड रिसर्च सेंटर

के इंटरनल मेडिसिन स्पेशलिस्ट डॉ. सी.सी. नायर के अनुसार, पर्याप्त पानी के बिना दवाई लेने पर गोली खाने की नली में चिपक सकती है। इससे जलन हो सकती है और दवाई को नीचे जाने या घुलने में भी ज्यादा समय लग सकता है। इसलिए गोली निगलते समय पानी की मात्रा को लेकर लापरवाही नहीं करनी चाहिए। दवाई लेते ही लेटना भी सही नहीं सिर्फ पानी की मात्रा ही नहीं, दवाई

लेने के बाद आपका तरीका भी मायने रखता है। गोली निगलते ही बिस्तर पर लेट जाने की आदत से बचना चाहिए। ऐसा करने पर दवाई खाने की नली में ज्यादा देर तक रह सकती है। सीके बिरला अस्पताल, दिल्ली, की डॉ. मनोभा अरोड़ा के अनुसार, दवाई लेने के बाद कम से कम 30 मिनट तक लेटने से बचना चाहिए। तुरंत लेटने पर रिफ्लेक्स और खाने की नली में जलन की परेशानी हो सकती है।

क्या ज्यादा पानी पीना सही है?

कम पानी के साथ दवाई लेने से परेशानी हो सकती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि गोली के साथ बहुत ज्यादा पानी पीना चाहिए। खासकर जिन लोगों को किडनी या दिल से जुड़ी किसी परेशानी की वजह से पानी कम पीने की सलाह दी गई है, उन्हें अपनी तरफ से पानी की मात्रा नहीं बढ़ानी चाहिए।

मक्के के आटे से बनाएं कुरकुरी पूड़ी

मक्के के आटे की पूड़ी बनाने के लिए चाहिए ये सामान
2 कप मक्के का आटा, 1 चम्मच अजवाइन, 1/2 चम्मच नमक या स्वादानुसार, 1 बड़ा चम्मच तेल या घी, जरूरत के अनुसार गरम पानी, ऐसे बनाएं मक्के के आटे की पूड़ी

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में मक्के का आटा लें। इसमें नमक, अजवाइन और एक चम्मच तेल डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब इसमें थोड़ा-थोड़ा गरम पानी डालते हुए आटा गूंथें। ध्यान रखें कि पानी एक साथ ज्यादा न डालें। मक्के का आटा पानी जल्दी सोख सकता है, इसलिए धीरे-धीरे पानी डालना बेहतर रहेगा।आटा तैयार होने के बाद इसे 5-10 मिनट के लिए ढककर रख दें। आटा न बहुत साख्त होना चाहिए और न ही बहुत ढीला। पूड़ी बनाने के लिए ऐसा आटा रखें जिसे हाथ से आसानी से दबाया जा सके। यह सबसे जरूरी



स्टेप है। मक्के के आटे में ग्लूटेन नहीं होता, इसलिए यह गेहूं के आटे की तरह आसानी से नहीं बेलता और दबाव पड़ने पर टूट सकता है। इसके लिए आटे की छोटी-छोटी लोई बना लें। अब एक प्लास्टिक शीट, बटर पेपर या साफ गीले कपड़े की मदद से लोई को हल्के हाथ से दबाकर पूड़ी का आकार दें। बहुत पतली पूड़ी बनाने की कोशिश न करें, वरना तेल में डालते समय इसके टूटने की संभावना रहती है। पूड़ी को मध्यम मोटाई में रखें। अब कड़ही में तेल

किसके साथ खाएं मक्के की पूड़ी?
मक्के के आटे की गरमागरम पूड़ी को आप आलू, की सब्जी, मिक्स वेज, दही, हरी चटनी या अचार के साथ परोस सकते हैं। टंडू के मौसम में गरम चाय के साथ भी इसका स्वाद अच्छा लगता है। अगर आप इसे थोड़ा अलग स्वाद देना चाहते हैं, तो साथ में लहसुन-हरी मिर्च की चटनी भी परोस सकते हैं।

दातुन करने के फायदे जानिए

1. दांतों का पीलापन घटाना- नीम की दातुन अगर आप रोजाना करते हैं, तो दांतों का पीलापन कम हो जाता है। इससे दांतों पर जमा गंदगी की परत साफ करने में मदद मिलती है।
2. मसूड़ों के लिए फायदेमंद- सही तरीके से दातुन करने से मसूड़ों की सफाई भी अच्छे से हो जाती है। मसूड़ों में सूजन, खुन आना जैसी समस्या भी कम होती है।
3. दांत दर्द में राहत- नीम की दातुन से मंजन करने के दौरान उसके रेशे मसूड़ों की नसों को शांत करते हैं। इससे दांत के दर्द में भी काफी राहत मिलती है। नुकसान भी होते हैं
मसूड़ों को नुकसान- अगर आप दातुन को जोर से रगड़कर करते हैं, तो उससे मसूड़ों को नुकसान पहुंचता है। मसूड़ों में चोट या खुन आ सकता है।
इनेमल के लिए खतरा- ज्यादा तेज रगड़ने से दांतों के इनेमल पर भी बुरा असर पड़ सकता है। इसके साथ ही

दातुन से हर जगह अच्छी तरह सफाई नहीं हो पाती, जिससे गंदगी जमा रह सकती है।
गंदे दातुन से इंफेक्शन- अगर आप पुरानी या गंदी दातुन का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो उससे दांतों या मसूड़ों में इंफेक्शन का खतरा भी हो सकता है। हर पौधे की टहनी दातुन के लिए सही नहीं होती।
दातुन कैसे बनाएं?
नीम की ताजी, साफ और स्वस्थ टहनी लें, लगाम 6-8 इंच लंबी। टहनी को साफ पानी से अच्छी तरह धो लें। एक सिर्रे की छल को थोड़ा हटाकर उसे हल्का-हल्का चबाएं, ताकि रेशे शरा जैसे मुलायम हो जाएं। अब इन मुलायम रेशों से दांतों की सफाई करें।
करने का सही तरीका
■ दातुन को दांतों पर बहुत जोर से न रगड़ें।
■ दांतों की बाहरी और अंदरूनी सतह को धीरे-धीरे साफ करें।
■ मसूड़ों पर भी हल्के हाथ से सफाई करें।

महापौर अलका बाघमार ने 28 लाख रुपये से अधिक के पाइपलाइन विस्तार कार्यों का किया भूमिपूजन

पटरीपार जयंती नगर और गंजपारा में पेयजल सुविधा का होगा विस्तार, महापौर व सभापति ने कार्यों का किया शुभारंभ

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने और नागरिकों तक स्वच्छ पेयजल की सुचारु उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महापौर अलका बाघमार ने आज विभिन्न वार्डों में पाइपलाइन विस्तार कार्यों का भूमिपूजन कर निर्माण कार्यों की शुरुआत कराई। इस दौरान सभापति श्याम शर्मा, जल कार्य प्रभारी लीना दिनेश देवांगन, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, वित्त विभाग प्रभारी नरेंद्र बंजारे सहित जनप्रतिनिधि एवं निगम अधिकारी उपस्थित रहे। महापौर अलका बाघमार ने जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों की उपस्थिति में पटरीपार धिकला भाउ स्थित जयंती नगर सब्जी मंडी के पीछे वार्ड क्रमांक 16 एवं वार्ड क्रमांक 38 में सीता राइस मिल के पीछे पाइपलाइन विस्तार कार्य का भूमिपूजन किया। इस कार्य की लागत राशि 16 लाख रुपये है। पाइपलाइन विस्तार होने से संबंधित क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी तथा नागरिकों को पानी की



उपलब्धता में सुविधा होगी।

इसके पश्चात महापौर ने गंजपारा क्षेत्र में एसबीआई बैंक के समीप वार्ड क्रमांक 36 में दिनेश मारोटी के घर से पुलिस लाइन तक पाइपलाइन विस्तार कार्य का भूमिपूजन किया। इस कार्य की लागत राशि 12.03 लाख

रुपये है। कार्यों की कुल लागत 28.03 लाख रुपये है। इन कार्यों के पूर्ण होने से संबंधित वार्डों में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और नागरिकों को राहत मिलेगी। महापौर ने कहा कि नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना निगम की

प्राथमिकता है। शहर के विभिन्न वार्डों में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए आवश्यकतानुसार पाइपलाइन विस्तार एवं अन्य विकास कार्य कराए जा रहे हैं। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक क्षेत्र के नागरिकों को नियमित एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। भूमिपूजन के दौरान संबंधित वार्डों के पार्षदों एवं नागरिकों ने क्षेत्र में पाइपलाइन विस्तार कार्य शुरू होने पर महापौर एवं निगम प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य शेखर चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, वार्ड पार्षद प्रतिभा गुप्ता, खिलाराम मटियारा, रंजीता पाटिल, सावित्री दमाहे, खालिक रिजवी, युवराज कुंजाम, जिला भाजपा प्रवक्ता अरुण सिंह, मनमोहन शर्मा, अजय शर्मा, सुरेश गुप्ता, सहायक अभियंता राजेंद्र ढबाले, उप अभियंता विनोद मांझी सहित वार्डों के नागरिकगण उपस्थित रहे।

महापौर अलका बाघमार ने पार्षदों के साथ की विकास कार्यों की समीक्षा, वार्डों की समस्याओं के समाधान पर चर्चा

स्वच्छता, वार्डों में डस्टबिन वितरण के निर्देश, तालाबों के सौंदर्यीकरण, गार्डन व सामुदायिक भवनों के संधारण पर बनी कार्ययोजना बनाने के निर्देश,

दुर्ग। महापौर अलका बाघमार ने सभापति श्याम शर्मा एवं लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर की उपस्थिति में मोतीलाल सभागार में निगम क्षेत्र के समस्त पार्षदों के साथ बैठक कर शहर में जारी एवं प्रस्तावित छोटे-बड़े विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में महापौर ने पार्षदों से उनके वार्डों की समस्याओं एवं आवश्यक विकास कार्यों के संबंध में सुझाव लिए। उन्होंने निर्देश दिए कि पार्षद संबंधित इंजीनियर से संपर्क कर विकास कार्यों के एस्टीमेट तैयार करवाएं, ताकि कार्यों को गति दी जा सके। शहर की स्वच्छता व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए



संपत्तिकर जमा करने वाले नागरिकों को डस्टबिन वितरित करने पर चर्चा की गई। इसके साथ ही अटल आवास, बाँबे आवास एवं आईएचएसडीपी आवासों के बीच खाली स्थानों का कांक्र्रीटीकरण, जलभराव की समस्या का समाधान, सामुदायिक भवनों का संधारण, गार्डन एवं मुक्तिधामों का रखरखाव तथा शासकीय तालाबों के सौंदर्यीकरण जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। बैठक में पानी टैंकों के कक्षों का उपयोग, निगम कार्यालयों एवं

डाटा सेंटर का संधारण, विवेकानंद भवन और ठाकरे भवन की आवश्यकताओं के अनुरूप निर्माण तथा पंखलों की जांच के लिए समिति गठन के सुझाव भी रखे गए। महापौर ने पार्षदों से अपील की कि वे अपने-अपने वार्डों में स्वच्छता के प्रति नागरिकों को जागरूक करें और शहर के विकास एवं मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाएं। इस अवसर पर निगम क्षेत्र के समस्त पार्षदगण/ एलडरमैन सहित अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

नवरात्रि एवं पर्वों के मद्देनजर पुलिस पूरी तरह मुस्तेद, शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक लगातार की जा रही पैदल पेट्रोलिंग

असामाजिक तत्वों, सदिश्यों एवं शांति व्यवस्था में बाधा डालने वालों की पहचान कर लगातार की जा रही कड़ी कार्रवाई

● **भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और प्रमुख मार्गों पर सुगम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित; विशेष रूप से सुहेला में भारी वाहनों के प्रवेश पर लगाई गई रोक**



सुगम यातायात सुनिश्चित करने हेतु पुलिस बल लगातार मैदानी स्तर पर सक्रिय है।

सुरक्षा व्यवस्था एवं पुलिस पेट्रोलिंग:- जिले के समस्त थाना एवं चौकी क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले प्रमुख बाजारों, चौक-चौराहों और दुर्गों पंखलों के आसपास पुलिस बल द्वारा लगातार पैदल पेट्रोलिंग की जा

रही है। सदिश्व व्यक्तियों से पूछताछ एवं उनके विरुद्ध लगातार कार्यवाही-सुरक्षा के दृष्टिकोण से सदिश्व व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है तथा किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या शांति भंग करने की कोशिश करने वाले असामाजिक तत्वों की पहचान कर उनके विरुद्ध लगातार सख्त प्रतिबंधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की

जा रही है।

सुहेला क्षेत्र में विशेष यातायात प्रबंधन: नवदुर्गा उत्सव के अवसर पर पंखलों में उमड़ने वाली भीड़ और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ग्राम सुहेला में यातायात व्यवस्था को विशेष रूप से सुदृढ़ किया गया है। सुहेला क्षेत्र में सुगम यातायात एवं सुरक्षा के मद्देनजर भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाई गई है और मुख्य मार्गों से भारी वाहनों को हटाया जा रहा है, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना से बचा जा सके। बलीदाबाजार-भाटापारा पुलिस आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और जिले में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने हेतु चाक-चौबंद सुविधा व्यवस्था लगातार जारी रहेगी।

जनसमस्याओं के निराकरण हेतु कांग्रेस प्रतिबद्ध, आवश्यकता पड़ने पर धरना-प्रदर्शन एवं आंदोलन का लिया निर्णय

● **जिला कांग्रेस कमेटी बलीदाबाजार की आवश्यक बैठक संपन्न, सड़क, बिजली बिल, पेयजल, किसानों की समस्याओं एवं स्कुल सहित विभिन्न मुद्दों पर हुई विस्तृत चर्चा।**



कार्ययोजना को लेकर विस्तृत चर्चा एवं विचार-विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आम जनता, किसानों एवं समाज के प्रत्येक वर्ग की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जिले में सड़कों की बदहाल स्थिति, बिजली बिल से संबंधित परेशानियों, पेयजल व्यवस्था तथा किसानों को खाद एवं सिंचाई के लिए पानी की

उपलब्धता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा करते हुए संबंधित विभागों के समक्ष इन समस्याओं को मजबूती से रखने की बात कही। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत नए पात्र मतदाताओं तथा मतदाता सूची से छूट गए पुराने पात्र मतदाताओं के नाम पुनः जुड़वाने हेतु सक्रियता से कार्य करने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

संगठनात्मक मजबूती के लिए जिले के विभिन्न ब्लॉकों में नियमित मासिक बैठक आयोजित करने, स्थानीय नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित करने तथा उनकी समस्याओं से अवगत होकर यथासंभव निराकरण कराने का निर्णय लिया गया। जिलाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े मुद्दों पर प्रशासन द्वारा समय रहते उचित कार्रवाई नहीं किए जाने की स्थिति में कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से धरना, प्रदर्शन एवं आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटेगी। बैठक में प्रमुख रूप से हेमचंद्र केशरवानी, रामकुमार साहू, सुनील साहू, लखेश साहू, श्रीमती लक्ष्मी साहू, अमर मिश्रा, मुकेश ठाकुर, तुलसी मनहरे, जितेंद्र नवरब, समीर आग्रवाल, सुनील कुर्ते, वैभव केशरवानी, सिद्धांत मिश्रा।

वायशेप अंडरब्रिज निर्माण कार्य का उद्योग मंत्री, लखन लाल देवांगन ने किया शुभारंभ

● **डीएमएफमद से 30.96 करोड़ रुपए की लागत से तैयार होगा अंडरब्रिज**



साथ ही इससे आवागमन सुगम हो जाएगा।

उल्लेखनीय है कि कोरबा शहर संजय नगर रेलवे फ़टक पर रेलगाड़ी एवं मालगाड़ियों की आवाजाही से बार-बार फ़टक के बंद होने से वहां से गुजरने वाले यात्रियों को अनेक परेशानियों का

सामना करना पड़ता था। इसे दृष्टिगत रखते हुए रेलवे स्टेशन जाने वाले मुख्य मार्ग जोड़ने वाले इस फ़टक पर लोगों की समस्या के स्थायी समाधान के लिए उद्योग मंत्री देवांगन द्वारा जिला खनिज न्यास मद से 30 करोड़ 96 लाख की राशि की स्वीकृति प्रदान की गई।

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत निवासरत नागरिकों की मूलभूत समस्याओं, मांगों एवं शिकायतों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से आज निगम मुख्य कार्यालय के सभागार कक्ष में दिनांक 12 अक्टूबर 2026 को जनदर्शन आयोजन किया गया। निगम आयुक्त सुरेश सिंह के निर्देशानुसार उपायुक्त नरेन्द्र कुमार बंजारे की उपस्थिति में आयोजित जनदर्शन में निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनदर्शन में कुल 16 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें शिकायत से संबंधित 13 एवं मांग से संबंधित 3 आवेदन शामिल हैं। जनदर्शन के दौरान उपायुक्त ने नागरिकों की समस्याओं एवं मांगों को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार परीक्षण कर संबंधित विभागों के माध्यम से शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि



नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना नगर निगम की प्राथमिकता है। जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी, ताकि नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। नगर निगम द्वारा नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक सोमवार को निगम मुख्य कार्यालय में जनदर्शन आयोजित किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को



भिलाई को मिली 50 इलेक्ट्रिक बसों की सौगात, नवंबर से सड़कों पर दौड़ेगी ई-बसें



भिलाईनगर। भारत के प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश की शहरी परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, सुलभ एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भिलाई शहर के लिए 50 इलेक्ट्रिक बसों की स्वीकृति प्रदान की गई है। इनमें से प्रथम चरण में नवंबर 2026 से 20 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन प्रारंभ करने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। इसके लिए विभिन्न मार्गों का रूट चार्ट भी तैयार कर लिया गया है। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से दुर्ग-भिलाई सहित आसपास के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को आवागमन को बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा आम नागरिकों को किफायती दरों पर सुरक्षित एवं सुविधाजनक यातायात सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से प्रतिदिन आवागमन करने वाले नौकरीपेशा नागरिकों, विद्यार्थियों, व्यापारियों, श्रमिकों एवं अन्य यात्रियों को विशेष लाभ मिलेगा। साथ ही निजी वाहनों पर निर्भरता कम होने से यातायात दबाव में कमी आने तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलने की भी उम्मीद है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा स्वीकृत इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए तैयार रूट चार्ट में दुर्ग, भिलाई, रायपुर एवं आसपास के प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

खोपली स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, 185 प्रतिभागियों ने लिया भाग

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर बालिकाओं के अधिकार, शिक्षा और सशक्तिकरण के प्रति किया जागरूक

दुर्ग। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शहीद तरुण देशमुख शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला, खोपली में बालिकाओं की सामाजिक भूमिका, अधिकारों और सशक्तिकरण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देशन तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अशोक कुमार पाण्डेय एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री अजय कुमार साहू के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कुल 185 प्रतिभागी शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम ने बालिकाओं को उनके

अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए समाज में समान अवसरों के महत्व को समझाया। साथ ही लैंगिक भेदभाव, बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने और प्रत्येक बालिका को शिक्षा एवं विकास के समान अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। जागरूकता कार्यक्रम में विभाग द्वारा संचालित बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना एवं नौनी सुरक्षा योजना के उद्देश्यों, लाभ और पात्रता के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। छात्राओं को बताया गया कि इन योजनाओं का लाभ लेकर बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और भविष्य को बेहतर बनाने में सहायता मिल सकती है।

कार्यक्रम में बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बाल



विवाह जैसी कुप्रथा को रोकने के लिए जागरूक रहने और जरूरत पड़ने पर संबंधित अधिकारियों को सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़ी हेलपलाइन सेवाओं की जानकारी देते हुए चार्लड हेलपलाइन 1098 और महिला हेलपलाइन 181 की उपयोगिता समझाई गई। बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण और उनके अधिकारों से संबंधित योजनाओं एवं कानूनों के बारे में भी बताया गया।

स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता पर विशेष मार्गदर्शन- इस दौरान किशोरियों को उचित पोषण, व्यक्तिगत स्वच्छता, मासिक धर्म के दौरान साफ-सफाई तथा एनीमिया से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। छात्राओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और किसी भी समस्या की स्थिति

में अभिभावकों, शिक्षकों अथवा संबंधित स्वास्थ्यकर्मीयों से परामर्श लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बालिकाओं को बिना किसी भेदभाव के शिक्षा और विकास के समान अवसर उपलब्ध कराने, उनके स्वास्थ्य एवं पोषण का ध्यान रखने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मिशन समन्वयक सुशी जया चंद्राकर, परियोजना समन्वयक श्री चंद्रप्रकाश पटेल, चार्लड हेलपलाइन श्रीमती लोककणी साहू, सामाजिक कार्यकर्ता, आईसीपीएस श्रीमती सीता कर्कोजे, आउटरीच वर्कर, विद्यालय के प्राचार्य, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।